

राजनाथ सिंह और सीएम योगी ने लखनऊ से ब्रह्मोस की पहली खेप रवाना की...

भारत,पाकिस्तान को जन्म दे सकता है तो... मुझे आगे बोलने की जरूरत नहीं : राजनाथ

लखनऊ,18 अक्टूबर 2025 (ए)। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को चेतावनी दी। उन्होंने कहा-ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है। जीत हमारी आदत है। अब इस आदत को हमें न सिर्फ बनाए रखना है, बल्कि इसे और मजबूत करना है। उन्होंने कहा- दुश्मनों को पता चल गया है कि उसकी एक-एक इंच जमीन हमारी ब्रह्मोस की जद में है। ऑपरेशन सिंदूर में जो हुआ, वो सिर्फ ट्रेलर था। उस ट्रेलर से ही पाकिस्तान को यह एहसास हो गया कि अगर भारत उसे जन्म दे सकता है तो...आगे मुझे बोलने की जरूरत नहीं है। आप खुद समझदार हैं। राजनाथ सिंह और सीएम योगी ने लखनऊ की ब्रह्मोस एयरोस्पेस यूनिट से धनतेरस के दिन शनिवार को ब्रह्मोस मिसाइलों की पहली खेप रवाना की। इससे पहले दोनों ने ब्रह्मोस एयरोस्पेस यूनिट में बुस्टर और वारहेड बिल्डिंग का उद्घाटन किया। दोनों ने सुकोई लड़ाकू विमान के जरिए ब्रह्मोस के वरवुअल हमले को देखा। ब्रह्मोस एयरोस्पेस यूनिट का उद्घाटन 5 महीने पहले 11 मई 2025 को हुआ था। यूनिट मिसाइल इंटीग्रेशन,टेस्टिंग और क्वालिटी एन्जामिनेशन जैसी मॉडर्न सुविधाओं से लैस है। बता दें कि रक्षा अनुसंधान एवं विकास संस्थान (डीआरडीओ) और रूसी रक्षा कंपनी एनपीओ मशीनोस्ट्रॉयनिका की तरफ से डिजाइन की गई ब्रह्मोस ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के सैन्य बुनियादी ढांचों को तबाह कर दिया था।



अब भारत टैकर नहीं, गिवर की भूमिका में...

राजनाथ सिंह ने कहा...ब्रह्मोस जैसी उपलब्धियों से मेड इन इंडिया ग्लोबल ब्रांड बन गया। अब हम फिलीपींस को ब्रह्मोस निर्यात करेंगे। यानी अब भारत टैकर नहीं, गिवर की भूमिका में आ गया है। इस बड़ी फैसिलिटी के साथ यूपी में छोटे व्यवसायियों के लिए बड़ा मौका डेवलप हो रहा है। छोटे-छोटे पार्ट्स बड़े प्रोजेक्ट में जरूरी होते हैं इसलिए इस यूनिट से कई तरह के फायदे हैं। यूपी से ब्रह्मोस मिसाइल की डिलीवरी हो रही है। इसका जीएसटी सरकार को मिला। इस तरह से मां लक्ष्मी की कृपा सेना के साथ इकोनॉमी पर भी हो रही है। एक मिसाइल से मिलने वाली आय से सरकार कई हॉस्पिटल बना सकती है। राजनाथ ने कहा-आंतरिक या बाह्य सुरक्षा के हर मौके पर यूपी आगे है। 200 एकड़ में ब्रह्मोस की यह फैसिलिटी फैली है। यहां से हर साल 100 मिसाइलें बनेंगी। मिसाइल आर्मी को भी मिलेंगी और नेवी को भी मिलेंगी। कुछ समय पहले तक यहां गुंजरान और लॉ एंड ऑर्डर गड़बड़ था। यह यूनिट देश की बढ़ती ताकत की पहचान है। देश के किसी भी हिस्से में ब्रह्मोस की चर्चा करते हैं तो उनके जेहन में मिसाइल के साथ विश्वसनीयता का भाव आ जाता है। बच्चे से लेकर वृद्ध तक,लड़कियों से लेकर महिलाओं तक, सबको यह विश्वास हो जाता है कि हमारे ऊपर मजबूती की छांव है। ब्रह्मोस तीनों सेनाओं की रीढ़ है।

राजनाथ बोले...ये बात सुनकर योगीजी बाग-बाग हो जाएंगे

राजनाथ सिंह ने कहा...पीएम मोदी ने 2047 तक देश को विकसित करने का टारगेट दिया है। इस यात्रा में डिफेंस सेक्टर का बड़ा योगदान होगा। हमारे ब्रह्मोस प्रोजेक्ट के लिए 2 देशों के साथ 4 हजार करोड़ रुपए का करार हो चुका है। ब्रह्मोस की लखनऊ यूनिट का टर्नओवर-अगले वित्तीय वर्ष से करीब 3 हजार करोड़ रुपए हो जाएगा। इसके बाद जीएसटी कलेक्शन 500 करोड़ रुपए हो जाएगा। इसे सुनकर योगीजी बाग-बाग हो जाएंगे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा- ब्रह्मोस जैसी उपलब्धियों से मेड इन इंडिया ग्लोबल ब्रांड बन गया। अब हम फिलीपींस को ब्रह्मोस निर्यात करेंगे। यानी अब भारत टैकर नहीं, गिवर की भूमिका में आ गया है।

योगी बोले...यूपी में जितनी जमीन चाहिए,उतनी मिलेगी

योगी ने कहा...मैंने डीआरडीओ को कहा है कि आपको जितनी भी जमीन चाहिए, यूपी में मिलेगी। हमारी कैबिनेट ने फ्री में जमीन मुहैया कराने का फैसला किया था। अब देखिए यूपी की भरती सोना बन रही है। यह यूनिट देश की जरूरतों को पूरा करने का आधार बनेगी। साथ ही लखनऊ को इंटरनेशनल लेवल पर ले जाएगी।

महाराष्ट्र के नंदुरबार के चंद्रशैली घाट पर वाहन पलटा,आठ की मौत



मुंबई,18 अक्टूबर 2025 (ए)। महाराष्ट्र के नंदुरबार जिला स्थित चंद्रशैली घाट पर शनिवार को सुबह अष्टम पर्वत यात्रा के लिए गया एक वाहन पलट गया। इस हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई जबकि 20 यात्री घायल हुए हैं। इन सभी को तलोदा उपजिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की जानकारी मिलते ही नंदुरबार पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और राहत और बचाव कार्य कर रही है। इस घटना में मृतकों की संख्या बढ़ने की संभावना है। इसकी छानबीन कर रहे पुलिस अधिकारी ने बताया कि शनिवार की सुबह धनतेरस के अवसर पर श्रद्धालुओं को लेकर एक निजी मालवाहक वाहन अष्टम पर्वत यात्रा के लिए गया था। सुबह जब वाहन नंदुरबार जिले के चंद्रशैली घाट पर पहुंचा,तो चालक ने नियंत्रण खो दिया और वाहन पलट गया। इस वाहन में लगभग 40 श्रद्धालु सवार थे। कई लोग वाहन के नीचे कुचल गए। इस दुर्घटना में अब तक आठ लोगों की मौत हो चुकी है। करीब 20 यात्री घायल हुए हैं। गंभीर रूप से घायलों को नंदुरबार जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कुछ घायलों को तलोदा उपजिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों और घायलों में से कई नंदुरबार जिले के शहाद तालुका के भूराती और

वैजली के निवासी हैं। कई घायलों की हालत गंभीर होने के कारण मृतकों की संख्या बढ़ने की संभावना है। उल्लेखनीय है कि भारत में कहीं भी अश्वत्थामा के स्थान का उल्लेख नहीं है,लेकिन नंदुरबार जिले की सतपुड़ा पर्वतमाला में चार हजार फुट ऊँचे पर्वत पर स्थित अष्टम्ब ऋषि के नाम से उनका स्थान है। एक किंवदंती के अनुसार,शापित अवस्था में घायल अश्वत्थामा घाटी में तेल मांगते हैं और कभी-कभी रास्ते में भटके तीर्थयात्रियों का मार्गदर्शन भी करते हैं, इसलिए हर साल धनतेरस से हजारों भक्त दो दिनों के लिए अष्टम्ब यात्रा पर निकलते हैं।

मध्य प्रदेश,गुजरात और महाराष्ट्र से हजारों भक्त पहाड़ की चोटी पर आते हैं, जो शूलपाणि वन के बीच लगभग 4,300 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। शिखर पर पहुंचने के बाद, वहां एक पत्थर है। भक्त इसकी पूजा करते हैं। फिर वे अपनी वापसी यात्रा फिर से शुरू करते हैं। हालांकि शिखर पर बहुत कम जगह है, फिर भी सभी को वहां बैठने की जगह मिल जाती है। दिवाली उत्सव के दौरान आयोजित होने वाली इस तीर्थयात्रा के लिए भक्तों के समूह रवाना होते हैं। वे तलोदा शहर से कोठार-देवनदी-असली-नकट्यादेव-जूना अस्तंभ-भीमकुंड्या होते हुए चलते हैं।

अयोध्या में बना विश्व रिकॉर्ड 2100 महिलाओं एवं विद्यार्थियों ने एकसाथ की सरयू आरती



अयोध्या,18 अक्टूबर 2025 (ए)। सरयू आरती का पिछले साल बना विश्व रिकॉर्ड शनिवार को टूट गया। इस बार सरयू तट पर 2100 मातृ शक्तियों,संस्कृत के विद्यार्थी एवं वंचित समाज के लोगों के साथ रामनगरी अयोध्या में मां सरयू की आरती की गई। यह अलौकिक नजारा दर्शनीय तो था ही,साथ ही अयोध्या की दिव्यता का भी अनुभव करा रहा था। मोक्षदात्री मां सरयू की गत वर्ष 1151 लोगों ने सामूहिक रूप से आरती कर वर्ल्ड गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज कराया था। इस बार पिछले रिकॉर्ड को तोड़ 2100 का आंकड़ा पार कर नया रिकॉर्ड बनाया। सरयू आरती के दौरान विश्व रिकॉर्ड दर्ज करने वाली टीम के सदस्य ज्ञान कैमरे के साथ मुस्तेद थे। सरयू तट पर इस आरती का आयोजन जिला प्रशासन एवं नगर निगम के सहयोग से वशिष्ठ फाउंडेशन ने किया। इस दौरान नगर निगम महापौर महंत गिरिशपति त्रिपाठी, मुख्य विकास अधिकारी कृष्ण कुमार सिंह,अपर जिलाधिकारी अनिरुद्ध सिंह,नगर निगम के अधिकारी,धर्मगुरु एवं संघर्षा जन मौजूद थे। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गौरव ग्रावर भी पहुंचे। शाम 6 बजे संपन्न हुए इस आयोजन में वशिष्ठ फाउंडेशन की सचिव राजलक्ष्मी तिवारी की अहम भूमिका रही। उन्होंने बताया कि व्यवस्था की दृष्टि से आरती स्थल को 11 जेन में विभाजित किया गया था।

मतदान के दिन सभी कर्मचारियों को मिलेगी सवैतनिक छुट्टी : चुनाव आयोग

नई दिल्ली,18 अक्टूबर 2025(ए)।

विहार विधानसभा चुनाव और कई राज्यों में उपचुनाव के लिए होने वाले मतदान के दिन कर्मचारियों को सवैतनिक छुट्टी दी जाएगी। यह आदेश चुनाव आयोग ने जारी किया है, ताकि हर मतदाता अपने मतदाधिकार का प्रयोग कर सके। चुनाव आयोग ने बताया कि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 135बी के तहत किसी भी निजी, व्यापारिक,औद्योगिक या अन्य संस्थान में काम करने वाले हर उस व्यक्ति को, जो मतदान का हकदार है,चुनाव वाले दिन सवैतनिक छुट्टी देना जरूरी है। इस दिन वेतन में किसी तरह की कटौती नहीं की जा सकती। अगर कोई नियोजता इस नियम का उल्लंघन करता है, तो उस पर जुर्माना लगाया जा सकता है। आयोग ने बताया कि जो लोग अपने क्षेत्र से बाहर काम करते हैं, लेकिन उनका नाम उस विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची में है जहां चुनाव हो रहे हैं, उन्हें भी मतदान के दिन सवैतनिक छुट्टी मिलेगी ताकि वे वोट डाल सकें। यह सुविधा अस्थायी और दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को भी दी जाएगी। उल्लेखनीय है कि विहार में पहले चरण का मतदान 6 नवम्बर (गुरुवार) को होगा,जबकि दूसरे चरण का मतदान और संबंधित राज्यों में उपचुनाव 11 नवम्बर (मंगलवार) को होंगे।

बीएसएफ ने भारत-पाक सीमा से पकड़ी हेरोइन और आइस ड्रग्स

चंडीगढ़,18 अक्टूबर 2025 (ए)। बीएसएफ ने भारत-पाकिस्तान सीमा पर संच ऑपरेशन चलाकर फिरोजपुर और अमृतसर सीमावर्ती क्षेत्र से हेरोइन व आइस ड्रग्स बरामद की हैं। बीएसएफ ने शनिवार को जानकारी दी कि बीएसएफ ने पंजाब पुलिस के साथ मिलकर फिरोजपुर के गांव टिंडीवाला के पास खेतों से 602 ग्राम हेरोइन बरामद की है। इसी प्रकार अमृतसर के अंतर्गत आते गांव बहिनी राजपूतों में 3.675 किलोग्राम आइस ड्रग्स बरामद की गई। इस बीच बीएसएफ ने रोडवाला खुर्द के पास तलाशी के दौरान पीले रंग के टेप में लिपटी एक पिस्तौल बरामद की है।

केंद्रीय गृहमंत्री शाह का ममता बनर्जी और राहुल पर तंज हमने असम में घुसपैठ रोकी,बंगाल में तो उनका स्वागत होता है : अमित शाह

नई दिल्ली,18 अक्टूबर 2025 (ए)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शनिवार को दावा किया कि जहां भाजपा शासित असम में घुसपैठ रोक दी गई है,वहीं पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल में यह जारी है,क्योंकि वहां की सरकार अवैध प्रवासियों का रेड कार्पेट बिछकर उनका स्वागत कर रही है। पटना में एक मीडिया कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी तंज कसा और कहा कि अब उन्होंने वोट चोरी वाले आरोप को छोड़ दिया है। शाह ने विशेष गहन निर्वाचन संशोधन का समर्थन करते हुए कहा कि इससे घुसपैठियों को चुना जा सकेगा और यह पूरे देश में लागू होगा। शाह ने कहा कि विपक्ष को इस प्रक्रिया पर आपत्ति करना अजीब है। उन्होंने कहा कि जो लोग लुटियंस दिल्ली में बैठकर बात करते हैं, उन्हें सीमा के असंयत नहीं पता। बांग्लादेश की सीमा में घने जंगल और बड़े नदी-नाले हैं,जो मानसून में उफान पर रहते हैं। इसलिए बार-बार गश्ती करना या सीमा पर बाड़ लगाना मुश्किल है। उन्होंने आरोप लगाया



कि जब कोई व्यक्ति पड़ोसी देश से भारत में आता है, तो स्थानीय पुलिस या पटवारी को पता होना चाहिए,लेकिन उन्हें ऊपर से आदेश मिलता है कि प्रवासियों का स्वागत करें। यही कारण है कि पश्चिम बंगाल में घुसपैठ बढ़ रही है,जबकि असम में यह रोकी गई है। शाह ने पश्चिम

डाक विभाग का स्वच्छता अभियान,47 हजार से ज्यादा डाकघर साफ,58 हजार शिकायतें निपटीं

नई दिल्ली,18 अक्टूबर 2025 (ए)। स्वच्छता अभियान के तहत डाक विभाग ने भी एक विशेष अभियान के तहत अब तक देशभर में 47,358 डाक स्थलों पर स्वच्छता अभियान चलाया। इस दौरान 4,952 डाक चौपाल आयोजित किए, 32,249 फाइलों की समीक्षा की और 7,611 फाइलों का निपटारा किया गया। डाक विभाग ने इस दौरान 57,961 से अधिक लोक शिकायतों का भी समाधान किया। इस के तहत पूरे देश में डाक विभाग ने पुरानी फाइलों और कागजातों को हटाकर कबाड़ की बिक्री से 32 लाख 48 हजार रुपये का राजस्व जुटाने के साथ-साथ 13,049 वर्ग फुट जगह भी खाली की। केंद्रीय संचार मंत्रालय के



अनुसार,डाक विभाग यह अभियान पूरे देश में डाक मंडलों, डाक प्रभागों, क्षेत्रीय कार्यालयों, छंटाई केंद्रों और ग्रामीण-शहरी डाकघरों के स्तर पर चलाया। स्वच्छता अभियान के तहत अब तक 47 हजार से अधिक डाक स्थलों को शामिल किया गया है, जिससे कार्यालय परिसर अधिक व्यवस्थित हो गए। विभाग के अधिकारियों ने डाक चौपालों के जरिए लोगों की शिकायतें भी सुनीं।

जीएसटी सुधारों को जनता ने बेहतर तरीके से अपनाया : सीतारामण

नई दिल्ली,18 अक्टूबर 2025 (ए)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि जीएसटी सुधारों को देश की जनता ने सकारात्मक रूप से स्वीकार किया है। जीएसटी 2.0 की शुरुआत नवरात्रि के पहले दिन की गई थी। लोगों ने इसे बेहद अच्छे तरीके से अपनाया है। नई वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) 2.0 दरें लागू होने के करीब एक महीने बाद वित्त मंत्री सीतारमण,वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और आईटी एवं रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने धनतेरस पर यहां एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रहे थे। सीतारमण ने बताया कि इन कटौतियों से भारतीयों को कैसे लाभ हुआ है। जीएसटी 2.0



लागू होने के बाद उन्होंने कहा कि सरकार जिन 54 दैनिक उपयोग की वस्तुओं पर कड़ी नजर रख रही है, उनमें से प्रत्येक में जीएसटी सुधारों के कारण कर लाभ अंतिम उपभोक्ता तक पहुंचाया गया है। जीएसटी दर में कटौती और इसके लाभों पर वित्त मंत्री ने कहा, ऑटोमोबाइल क्षेत्र जीएसटी दर में कटौती के बारे में मुखर रहा है जिससे बिक्री में वृद्धि हुई है। तीन

पहिया वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 5.5 प्रतिशत बढ़कर 84077 इकाई हो गई। उन्होंने सुधारों के सकारात्मक प्रभाव पर भी प्रकाश डाला और सभी क्षेत्रों में वाहनों की मजबूत बिक्री का जिक्र किया। सीतारमण ने कहा कि तिपटिया वाहनों की बिक्री साल-दर-साल 5.5 फीसदी बढ़ी, जबकि दोपहिया वाहनों की बिक्री 21.6 लाख इकाई तक पहुंच गई। उन्होंने

बताया कि सितंबर में अकेले यात्री वाहनों की बिक्री 3.72 लाख रही, जो महीने के आखिरी नौ दिनों में हुई खरीदारी की वजह से हुई। उन्होंने कहा कि कर में कटौती केवल त्योहारी सीजन के लिए ही नहीं की गई है। इन कटौतियों का मतलब है कि अधिक संग्रह होगा,जिससे कुछ वापस देने के लिए बेहतर राजकोषीय गुंजाइश होगी।

3 अफगान क्रिकेटर्स समेत 8 की मौत,रिहाइशी इलाकों में पाक ने किया हमला

नई दिल्ली,18 अक्टूबर 2025 (ए)। अफगानिस्तान के सीमाई प्रांत पकिक्ता में तीन अफगान क्रिकेटर्स समेत आठ लोगों की मौत हो गई। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बताया कि ये खिलाड़ी अगले महीने पाकिस्तान और श्रीलंका के साथ होने वाली क्रिकोणीय श्रृंखला में हिस्सा उठाने से पकिक्ता प्रांत के शाराना गए थे। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने तीनों खिलाड़ियों के नाम कबीर, सिबघतुल्लाह और हरून बताए और बताया कि हमले में पांच अन्य लोग भी मारे गए। एसीबी ने इसे पाकिस्तानी शासन द्वारा किया गया एक कार्रवाया हमला बताया। इस हमले के बाद,अफगानिस्तान ने क्रिकोणीय श्रृंखला

से अपना नाम वापस ले लिया। एसीबी ने हमले के बारे में और कोई जानकारी नहीं दी।पाकिस्तान अपनी दोगली हकतों से बाज नहीं आ रहा है। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के साथ जारी संघर्ष विराम के बीच पकिक्ता प्रांत में नागरिकों को निशाना बनाकर हवाई हमले किया है। एक तालिबान अधिकारी ने हमलों की पुष्टि करते हुए कहा कि इस्लामाबाद ने संघर्ष विराम तोड़ दिया है। एक तालिबानी अधिकारी ने बताया कि पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के पकिक्ता प्रांत के अरगुन और बरमल जिलों में आवासीय इमारतों को निशाना बनाया है। पाकिस्तान ने संघर्ष विराम तोड़ दिया है और पकिक्ता में तीन जगहों पर बमबारी की है। यह घटना



अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच कथित तौर पर अस्थायी संघर्ष विराम बढ़ाए जाने की खबरों के कुछ घंटों बाद हुई है। बता दें कि शुक्रवार शाम को समाप्त होने वाला संघर्ष विराम दोहा वार्ता के समापन तक बढ़ा दिया गया है। लगभग एक हफ्ते पहले शुरू

हुई झड़पों के बाद से पाकिस्तान और अफगानिस्तान के दर्जनों सैनिक और नागरिक मारे गए हैं। जिसके बाद दोनों देश के बीच दो दिन पहले 48 घंटे का संघर्ष विराम लागू हुआ था। वहीं दूसरी ओर रक्षा मंत्री खवाजा आसिफ ने कहा कि पाकिस्तान अब अफगानिस्तान के साथ पहले जैसे रिश्ते नहीं रख सकता। उनकी यह टिप्पणी 48 घंटे के संघर्ष विराम की समय सीमा समाप्त होने के बाद आई है। हालांकि,मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि युद्धविराम की अवधि इसलिए बढ़ा दी गई है क्योंकि दोनों पक्षों के प्रतिनिधि मौजूदा तनाव का समाधान ढूंढने के लिए कतर के दोहा में मिलने वाले हैं। आसिफ ने कहा,पाकिस्तान अब काबुल के

साथ पहले जैसे रिश्ते नहीं रख सकता। उन्होंने कहा, पाकिस्तानी भरती पर रहने वाले सभी अफगानों को अपने वतन लौटना होगा। हमारी जमीन और संसाधन 25 करोड़ पाकिस्तानियों के हैं। उन्होंने कहा, आत्मसम्मान वाले देश विदेशी जमीन और संसाधनों पर नहीं पनपते। उन्होंने अफगानिस्तान को धमकी देते हुए कहा, पाकिस्तान के खिलाफ आतंकवाद जहां भी पनपेगा, वहां से भारी कीमत वसूल की जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी,अब न तो विरोध पत्र दोगे और न ही शांति की अपील की जाएगी और कोई प्रतिनिधिमंडल काबुल नहीं जाएगा। आतंकवाद का सोच चाहे कहीं भी हो, उसे भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।

संपादकीय

प्रदूषण की जवाबदेही

दिवाली मनाने के उत्साही लोगों की आकांक्षाओं के अनुरूप सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली और एनसीआर में कुछ शर्तों के साथ ग्रीन पटाखे जलाने की अनुमति दे दी है। इसके बावजूद स्वच्छ हवा बनाए रखने व प्रदूषण नियंत्रण के लिए हमारे संयम व जिम्मेदार व्यवहार की जरूरत होगी। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि हमारी राष्ट्रीय राजधानी दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानियों में शुमार है। दुनिया के बीस शीर्ष प्रदूषित शहरों में करीब आधे शामिल हैं। पर्व, आस्था व विश्वास अपनी जगह हैं, लेकिन प्राणवायु का स्वच्छ रहना लाखों लोगों के जीवन का प्रश्न भी है। यही वजह है कि दिल्ली-एनसीआर में कुछ शर्तों के साथ दीपावली पर ग्रीन पटाखों की अनुमति देते वक्त सुप्रीम कोर्ट ने संतुलित दृष्टिकोण अपनाने की नसीहत दी है,जिससे हमारी आस्था का सम्मान हो सके और पर्यावरण की रक्षा भी हो। निस्संदेह, कोर्ट के फैसले से वे लोग उत्साहित होंगे,जो ग्रीन पटाखे चलाने की अनुमति चाहते थे। लेकिन इसका एक पक्ष यह भी है कि पर्यावरण संरक्षण से जुड़े लोग इससे निराश हो सकते हैं। पर्यावरण प्रेमियों की चिंता वाजिब है। अक्सर देखा जाता है कि ग्रीन पटाखे जलाने वालों पर नियामक एजेंसियां निगरानी नहीं रख पाती हैं। चिंता की बात यह भी है कि ग्रीन पटाखों के नाम पर घातक पटाखे भी जलाए जा सकते हैं। विगत के अनुभव बताते हैं कि अदालती रोक के बावजूद त्योहार पर जमकर आतिशबाजी हुई थी। दरअसल,कुछ लोगों की दलील थी कि पर्व विशेष पर ही प्रदूषण के नाम पर रोक लगाई जाती है, जिससे त्योहार का रंग फीका हो जाता है। कुछ लोगों ने इसे प्रतीक्षा का प्रश्न भी बना लिया। लेकिन सवाल यह है कि यह कैसे सुनिश्चित हो पाएगा कि ग्रीन पटाखों की आड़ में घातक पटाखे नहीं बेचे जा सकें। हमारी निगरानी करने वाली एजेंसियों व विभागों की कारगुजारियों पर अक्सर सवालिया निशान लगाए जाते हैं।

वैसे एक हकीकत यह भी है कि हर गली-मोहल्ले की दुकानों में प्रदूषण फैलाने वाले पटाखों की मिलानी कर पाना व्यावहारिक भी नहीं है। इस बात को लेकर अक्सर बहस होती रही है कि परंपरागत रूप से दिवाली में पटाखों की अतिव्ययता नहीं रही है। निस्संदेह, दीप पर्व उजाले का उत्सव है,ताकि धरा पर कहीं अंधेरा न रह जाए, गरीब की झोपड़ी भी रोशन हो,समुद्दि हर घर तक पहुंचे। सही मायनों में पर्व सामूहिकता की भावना पर केंद्रित होते हैं। ऐसे में यदि हम घातक पटाखे जलाकर स्वस्व रोगों से पीड़ित मरीजों से लेकर आम आदमी को मुश्किल में डाल दें,तो यह पर्व का मर्म नहीं कहा जा सकता। वैसे ग्रीन पटाखों के बारे में भी निश्चित रूप से नहीं कहा जा सकता कि उनके उत्पादन के दौरान निष्पक्षित मानकों का पालन किया गया हो। पटाखे जिस गुणवत्ता से बनते और बिकते हैं, कहना मुश्किल ही है कि वे वास्तव में पर्यावरण के अनुकूल होंगे। वैसे यह भी हकीकत है कि दिल्ली में हर साल ठंड की दस्तक के साथ बढ़ने वाले घातक प्रदूषण के लिए सिर्फ पटाखे ही जिम्मेदार नहीं होते। मौसम की प्रतिकूलता तथा जनसंख्या के बढ़ते घनत्व के कारण महानगरों में बहुमंजिला इमारतों के विस्तार से भी हवा का प्राकृतिक प्रवाह बाधित होता है, जिसके चलते प्रदूषण की परत दिल्ली,राष्ट्रीय राजधानी और निकटवर्ती शहरों के ऊपर छाई रहती है। निस्संदेह,पर्यावरण संरक्षण से जुड़े कार्यकर्ताओं के साथ-साथ आम नागरिकों को भी पटाखों के सीमित व संयमित उपयोग के बारे में गंभीरता से विचार करना चाहिए। बहरहाल,सुप्रीम कोर्ट के दिल्ली व एनसीआर में ग्रीन पटाखे चलाने की अनुमति देने के फैसले के आलोक में कहा जा सकता है कि शेष देश में भी प्रदूषण रोकने के लिए गंभीर पहल की जानी चाहिए। देश के कई अन्य बड़े शहर दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों की सूची में दर्ज हैं। वहीं दूसरी ओर केवल सर्दियों में ही प्रदूषण नियंत्रण की पहल नहीं की जानी चाहिए।

नरक चतुर्दशी : यमराज के लिए दीपदान करने का पर्व



दोनेला कुमार मोहंता

कार्तिक कृष्ण पक्ष में पांच पर्वों का जो विराट महोत्सव मनाया जाता है, महापर्व की उस श्रृंखला में सबसे पहले पर्व धन्तेरस के बाद दूसरा पर्व आता है 'नरक चतुर्दशी'। कार्तिक कृष्ण पक्ष की 'चतुर्दशी' को मनाए जाने वाले पर्व 'नरक चतुर्दशी' नाम में 'नरक' शब्द से ही आभास होता है कि इस पर्व का संबंध भी किसी न किसी रूप में मृत्यु अथवा यमराज से है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन यमराज का पूजन करने तथा व्रत रखने से नरक की प्राप्ति नहीं होती। दीवाली के ठीक एक दिन पहले मनाए जाने वाले इस पर्व की तिथि को लेकर लोगों के मन में भ्रम की स्थिति है कि यह पर्व 19 अक्टूबर को मनाया जाएगा या 20 अक्टूबर को। इस साल चतुर्दशी तिथि का आरंभ 19 अक्टूबर, रविवार को दोपहर 51 बजकर 51 मिनट पर हो रहा है और इसका समापन 20 अक्टूबर,सोमवार को दोपहर 3 बजकर 44 मिनट पर होगा। यूं तो उदया तिथि के अनुसार, छोटी दिवाली 20 तारीख को मनाई जानी चाहिए लेकिन यम चतुर्दशी की पूजा चूकि प्रवेश काल यानी शाम के समय ही की जाती है,इसीलिए नरक चतुर्दशी यानी छोटी दीवाली 19 अक्टूबर को मनाई जाएगी। 20 अक्टूबर को सुबह 5 बजकर 13 मिनट से सुबह 6 बजकर 25 मिनट तक का शुभ समय अभ्यंग स्नान के लिए श्रेष्ठ है क्योंकि इस मुहूर्त में किया गया स्नान सौंदर्य को बढ़ता है और तेजमय शरीर की प्राप्ति होती है। छोटी दीवाली पर यम का दीपक जलाने का शुभ मुहूर्त 19 अक्टूबर की शाम को है। नरक चतुर्दशी के दिन यम का दीपक शाम 6 बजकर 58 मिनट से लेकर शाम 7 बजकर 28 मिनट तक के बीच में जला सकते हैं।

'नरक चतुर्दशी' पर्व को 'नरक चौदस','रूप चतुर्दशी', 'काल चतुर्दशी' तथा 'छोटी दीवाली' के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन मृत्यु के देवता यमराज और धर्मराज चित्रांगु का पूजन किया जाता है और यमराज से प्रार्थना की जाती है कि उनकी कृपा से हमें नरक के भय से मुक्ति मिले। इसी दिन यमभक्त हनुमान का भी जन्म हुआ था और इसी दिन वामन अवतार में भगवान विष्णु ने राजा बलि से तीन पग भूमि दान में मांगते हुए तीनों लोकों सहित बलि के शरीर को भी अपने तीन पगों में नाप लिया था। हनुमान जयंती वैसे तो चैत्र मास की पूर्णिमा को मनाई जाती है, लेकिन उत्तर भारत के कई भागों में यह दीवाली से एक दिन पहले भी मनाई जाती है। यम को मृत्यु का देवता और संयम के अधिष्ठाता देव माना गया है। नरक चतुर्दशी के दिन सूर्योदय से पहले उत्तर स्नान करना शुभ माना गया है और सारंकाल के समय यम के लिए दीपदान किया जाता है। आशय यही है कि संयम-नियम से रहने वालों को मृत्यु से जरा भी भयभीत नहीं होना चाहिए। इस दिन सूर्योदय से पहले स्नान करने का आशय ही आलस्य का त्याग करने से है और इसका सीधा संदेश यही है कि संयम और नियम से रहने से उनका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा और उनकी अपनी साधना ही उनकी रक्षा करेगी। नरक चतुर्दशी मनाए जाने के संबंध में एक मान्यता है कि इसी दिन भगवान श्रीकृष्ण ने प्रागज्योतिषपुर के राजा 'नरकामरु' नामक अधर्मी राक्षस का वध किया था और ऐसा करके उन्होंने न केवल पृथ्वीवासियों को बल्कि देवताओं को भी उनके अत्याचारों से मुक्ति दिलाई थी। उसके आतंक से पृथ्वी के समस्त शूरवीर और सम्राट भी धर-धर कांपते थे। अपनी शक्ति के घमंड में चूर नरकासुर शक्ति का दुरुपयोग करते हुए रस्त्रियों पर भी अत्याचार करता था। उसने 16000 मानव, देव एवं गंधर्व कन्याओं को बंदी बना रखा था।

त्योहारों का अर्थशास्त्र



प्रोफेसर शाम लाल कौशल
गैहतक,हरियाणा

संसार के अन्य देशों की तरह भारत में भी समय-समय पर कई प्रकार के त्योहार मनाए जाते हैं। असल में भारत त्योहारों का देश है। यहां पर अनेक जातियों,संप्रदायों, क्षेत्रों, रीति रिवाजों,परंपराओं तथा आस्था वाले लोग रहते हैं जो कि समय-समय पर शताब्दी से चले आ रहे त्योहारों को मनाते चले आ रहे हैं। भारत में अधिकांश त्योहार फसलों के बोने या काटने?के बाद मनाए जाते हैं। अधिकांश त्योहार फसलों के काटने के बाद इसलिए मनाए जाते हैं क्योंकि लोगों के पास पैसे आ जाते हैं। अतः उन्हें त्योहारों के माध्यम के द्वारा जश्न या खुशी मनाने का मौका मिल जाता है, ऐसा इसलिए क्योंकि भारत एक कृषि प्रधान देश है। ऐसा देखा गया है कि जिम्मीदार लोग आमतौर पर विवाह शादियां तथा त्योहारों को मनाने की परंपरा को फसलों के काटने के बाद ही करते हैं। भारत में बैसाखी,होली,दशहरा,दिवाली,तीज, लोहड़ी, भाई दूज, रक्षाबंधन, करवा

चौथ,ईद,रोजा रहना, क्रिसमस, ईस्टर आदि त्योहार हमारे देश के विभिन्न प्रकार के समुदायों के लोगों के द्वारा धूमधाम से मनाए जाते हैं। भारत के मनाए जाने वाले त्योहारों का अपना ही अर्थशास्त्र है। लेकिन पहले हमें देखना पड़ेगा कि अर्थशास्त्र किसे कहते हैं,त्योहारों का अर्थशास्त्र क्या है के बारे में बात बाद में करेंगे। अर्थशास्त्र हमें बताता है कि हम लोग किस प्रकार से धन कमाते हैं और किस प्रकार से अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए खर्च करते हैं। जब वह विभिन्न प्रकार के काम जैसे खेती-बाड़ी, व्यापार,मजदूरी,कारखाने में काम करना, जमीन बेचना,इमारतों का निर्माण करना आदि के द्वारा धन कमाते हैं तो उसका कुछ हिस्सा घर गृहस्ती चलाने के लिए, खाने पीने,कपड़े,मकान,स्कूटर,कार आदि खरीदने में खर्च करते हैं और कुछ पैसे बचा कर रख लेते हैं यह सब बातें आगे अर्थव्यवस्था में कई और काम धंधों को बढ़ावा देने में काम आती है। अब देखना यह है कि हमारे त्योहारों का अर्थशास्त्र क्या है? अर्थात् वे हमारे देश की विभिन्न आर्थिक क्रियाओं को किस प्रकार से प्रभावित करते हैं। उदाहरण के तौर पर मार्च अप्रैल के महीने तक गेहूं की फसल पक कर तैयार हो जाती है और कटने लग जाती है। किसान लोगों के पास इस फसल को बेचने के बाद पैसा आ जाता है,परिणामस्वरूप बैसाखी का त्योहार मनाया जाता है। इस त्योहार पर किसान लोग नाचते हैं,गाते हैं,भांगड़ा डालते हैं,मेले लगते हैं,पंजाब में किसान लोग गुरुद्वारे में उत्सव मनाते हैं, पैसे खर्च करते हैं, नये कपड़े सिलवाते हैं,मेलों में कई प्रकार की चीजें बिकती हैं जिससे लोगों को रोजगार मिलता है। इसी प्रकार दशहरे की बात है। दशहरे से पहले देश के विभिन्न भागों में

राम लीलाएं आयोजित की जाती हैं। इस मौके पर टेंट वाले,कुर्सियों वाले,रेड्डी वाले,कलाकार लोग पैसा कमाते हैं। जब दशहरा आता है तब रावण,कुंभकरण और मेघनाथ के पुतले बनाने को रोजगार मिलता है। जहां इन पुतलों को जलाया जाता है वहां लोगों के खाने पीने की चीजें,खिलौने,झुले आदि वाले भी मौजूद होते हैं जिन्हें रोजगार तथा आमदनी प्राप्त होती है। हमारे देश में साल में दो बार नवरात्रि का पर्व मनाया जाता है। इस पर्व पर लोग 9 दिन व्रत रखते हैं। इसका मतलब यह नहीं कि वह बिल्कुल खाने,कलाकार लोग पैसा कमाते हैं। चीजें खाते हैं जिन्हें बेचने वालों को आमदनी प्राप्त होती है व्यापार को बढ़ावा मिलता है। हमारे देश में धान के काटने के बाद दिवाली का रेशनियों का त्योहार आता है। वैसे तो हिंदुओं के सभी त्योहार एक से बढ़कर एक बड़े हैं जिन पर लोग पैसे खर्च करते हैं और जिनके कारण रोजगार, उत्पादन और आमदनी में तथा विभिन्न प्रकार के कारों के द्वारा सरकारी राजस्व में वृद्धि होती है और ट्रांसपोर्टरों को भी आमदनी प्राप्त होती है लेकिन दिवाली का त्योहार हिंदुओं का सबसे बड़ा त्योहार है जिससे गंगा जमुना संस्कृति के तहत हिंदू सिखा,मुसलमान आदि मिलकर मनाते हैं। दिवाली से कुछ दिन पहले अधिकांश लोग अपने घरों तथा दुकानों की मरम्मत कराते हैं, उन्हें रंग रोगन तथा सफेदी कराते हैं और दिवाली के त्योहार से कुछ दिन पहले से ही पटाखे,बम,फूलझड़ियां आदि जलाना शुरू कर देते हैं। दिवाली से 2 दिन पहले हमारे यहां धन्तेरस मनाए जाने की परंपरा भी जिसके तहत लोग अपने समर्थ के अनुसार नए-नए बदन,चांदी तथा सोने के गहने खरीदते हैं। खरीददारों की भीड़ से दीवाली



से कुछ दिन पहले से ही बाजार लोगों से खचाखच भरे होते हैं। दिवाली पर मिष्टी के लिए,मोमबत्तीयां,बम,फूलझड़ियां,खिलौने, कागज के बने हुए सजावट के आकर्षक फूल,अपने इष्ट देव की शीशों से जड़ी फोंटो,पूजा के लिए मिष्टी की बनी हुई दिवाली खरीदते हैं। करोड़ों का व्यापार होता है। दो-तीन दिन पहले बिजली से जगमगाने वाली रोशनी करने वाली लड़ियां खरीदी जाती हैं,लोग आपस में मिठाई तथा उपहारों का आदान-प्रदान करके एक दूसरे को दिवाली की शुभकामनाएं देते हैं। मिठाई की दुकानों पर खरीदारों की भीड़ लगी होती है। इन सब बातों से लोगों को आमदनी प्राप्त होता है तो कुछ लोग चांदी से बने श्री गणेश तथा लक्ष्मी की मूर्तियों का भी पूजन करते हैं, कुछ लोग इस दिन दीए जलाकर रोशनी करने के अलावा घरों को गेंदे तथा गुलाब के फूलों से भी सजाते हैं। दिवाली वाले दिन लोग अपने रिश्तेदारों, शुभचिंतकों,मित्रों तथा पड़ोसियों में मिठाइयां आदि का भी आदान प्रदान करते हैं। जिससे हवावाइयों का काम करने वाले दुकानदारों की चांदी हो जाती है। इसी तरह करवा

चौथ,नवरात्रि,भाई दूज,रक्षाबंधन आदि त्योहारों पर भी मिठाईयों,कपड़ों का आदान-पर होता है। लोहड़ी के त्योहार पर लोग रात को अपने मोहल्ले या घरों में आग जलाकर पूजन करते हैं,गुड़ तथा चीनी की बनी रेवाड़ियां, समोसे आदि खरीदते हैं,अगले संक्रांति के दिन बुजुर्गों को कंबल अथवा लौई दिए जाने की भी परंपरा है। इसी तरह ईद,क्रिसमस,ईस्टर आदि हर हिंदू त्योहारों पर भी लोग अपने-अपने ढंग से जश्न मनाते हैं,नए-नए कपड़े सिलवाते हैं,गरीबों को दान करते हैं क्रिसमस पर उपहार दिए जाने,चर्च में कैडल जलाने की परंपरा है। इसादिन ईसाइयों में खूब उत्साह होता है,बच्चों के लिए झुले,खिलौने था बड़ों के लिए खरीदारी के लिए बाजार लगते हैं। सिख धर्म को मानने वाले लोग गुरुपूब पर लंगर,जल सेवा तथा हलवे का प्रसाद बांटते हैं।

इस तरह भारत में जो भिन्न-भिन्न समुदायों द्वारा जो त्योहार मनाए जाते हैं उनका अपना ही अर्थशास्त्र है जिसके मुताबिक उन्हें आमदनी तथा रोजगार मिलता है, व्यापार में वृद्धि होती है तथा सरकार को करों से आमदनी प्राप्त होती है।

स्वाधीनता संग्राम की अमर बलिदानी मातंगिनी हाजरा बूढ़ी गांधी

देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वालों की कोई कमी नहीं है। ऐसी आजादी की नायिका, क्रांतिकारी मातंगिनी हाजरा का जन्म 19 अक्टूबर, 1870 में पूर्वी बंगाल, मिदनापुर जिले के होगला ग्राम में एक अत्यंत निर्धन परिवार में हुआ था। गरीबी के कारण 12 वर्ष की अवस्था में ही उनका विवाह ग्राम अलीनान के 62 वर्षीय विधुर गिलेचन हाजरा से कर दिया गया। जो छः साल बाद ही चल बसे। उनसे मातंगिनी की कोई संतान नहीं थी। पति की पहली पत्नी से एक पुत्र था जो उनका बहुत अपमान करता था, इसलिए वहीं गांव में अलग झोंपड़ी में रहती थीं। गांव में सबकी बहुत मदद करती रहती थी, इसलिए अपने आस पास बहुत लोगों की पसंद थीं। 1905 में जब राष्ट्रवादी आंदोलन बंगाल में अपने चरम पर था,तब हाजरा ने इसमें बढ़-चढ़ कर भाग लिया था। 1932 में गांधी जी के असहयोग आंदोलन में भी वह सक्रिय रहीं, इस दौरान वह कई बार जेल भी गईं। वन्देमातरम का घोष करते हुए जुलूस प्रतिदिन निकलते थे। जब ऐसा एक जुलूस मातंगिनी के घर के पास से निकला, तो उसने बंगाली परम्परा के अनुसार शंख ध्वनि से उसका स्वागत किया और जुलूस के साथ चल दी। तामलुक के कुष्णगंज बाजार में पहुंचकर एक सभा हुई। वहीं मातंगिनी ने सबके साथ स्वाधीनता संग्राम में तन,मन,धन से संघर्ष करने की शपथ ली।



राष्ट्रभक्ति का यशोगान

मातंगिनी को अफीम की लत थी पर अब इसके बदले उनके सिर पर स्वाधीनता का नशा सवार हो गया। 17 जनवरी, 1933 को 'करबन्दी आन्दोलन' को दबाने के लिए बंगाल के तत्कालीन गवर्नर एण्डरसन तामलुक आये, तो उनके विरोध में प्रदर्शन हुआ। वीरगंगा मातंगिनी हाजरा सबसे आगे काला झण्डा ध्वजि उठी थीं। वह ब्रिटिश शासन के विरोध में नारे लगाते हुई दरबार तक पहुंच गयीं। इस पर पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया और छह माह का सश्रम कारावास देकर मुर्शिदाबाद जेल में बन्द कर दिया। 1935 में तामलुक क्षेत्र भीषण बाढ़ के कारण हैजा और चेचक की चपेट में आ गया। मातंगिनी अपनी जान की चिन्ता किये बिना राहत कार्य में जुट गयीं। ऐसा होता है अनुकरणीय राष्ट्र सेवा, भक्ति का नशा और यशोगान।

झुकने नहीं दिया तिरंगा

1942 में जब 'भारत छोड़ो आन्दोलन' ने जोर पकड़ा, तो बूढ़ी गांधी के नाम से प्रसिद्ध मातंगिनी उसमें कूद पड़ी। मातंगिनी हाजरा ने मान लिया था कि अब आजादी का वक्त करीब आ गया है। उन्होंने तामलुक में भारत छोड़ो आंदोलन की कमान संभाल ली, जबकि उनकी उम्र 72 पार कर चुकी थी। आठ सितम्बर को तामलुक में हुए एक प्रदर्शन में पुलिस की गोली से तीन स्वाधीनता सेनानी मारे गये। लोगों ने इसके विरोध में 29 सितम्बर को और भी बड़ी रैली निकालने का निश्चय किया। इसके लिए मातंगिनी ने गाँव-गाँव में घूमकर रैली के लिए 5,000 लोगों को तैयार किया। सब दोपहर में सरकारी डाक बंगले पर पहुँच गये। तभी पुलिस की बन्दूकें गरज उठी। मातंगिनी एक बटुते पर खड़ी होकर नारे लगावा रही थी। एक गोली उनके बायें हाथ में लगी। उन्होंने तिरंगे झण्डे को गिरने से पहले ही दूसरे हाथ में ले लिया। तभी दूसरी गोली उनके दाहिने हाथ में और तीसरी उनके माथे पर लगी। मातंगिनी की मृत देह वहीं लुढ़क गयी। अविभूत इस वीरगंगा ने 'तिरंगे के सम्मान में जान दे दी लेकिन इसे झुकने नहीं दिया। इन्हें बारंबार प्रणाम।

मातृशक्ति से मातृभूमि सुरक्षित

इस बलिदान से पुरे क्षेत्र में इतना जोश उमड़ा कि दस दिन के अन्दर ही लोगों ने अंग्रेजों को खदेड़कर वहाँ स्वाधीन सरकार स्थापित कर दी, जिसने 21 महीने तक काम किया। उन्होंने बताया कि मातृशक्ति सिर्फ घर में कैद होने के लिए नहीं होती,जरूरत पड़ने पर वह भी हथियार उठा सकती है और दुश्मन का मुकाबला कर सकती है। मातृशक्ति से ही मातृभूमि सुरक्षित है। कलकत्ता में आज भी उनके नाम पर कई स्कूल, कॉलेनियां और मार्ग मिल जायेंगे। अमर बलिदानी बूढ़ी गांधी मातंगिनी हाजरा की पावन जयंती पर विभिन्न श्रद्धांजलि।



आत्मागम यादव
नर्मदापुरम मध्यप्रदेश

दीपोत्सव पर्व प्रथम बार कब,कैसे और कहा प्रारम्भ हुआ? इसका उल्लेख किसी पुराण या शास्त्र में अधिकारिता के साथ अभिव्यक्त नहीं किया गया है, किन्तु प्रथम दीपावली दैत्यराज हिरण्यशक के अत्याचार, रक्तपात,लुट्पाट आदि से पीड़ित प्रजा को शूकरूपधारी विष्णु के वराह अवतार द्वारा दिलाई गई मुक्ति के बाद मनाई गई खुशी का पर्व अवश्य ही दीपावली रही होगी,जिसमें लोगों ने घर-घर दीप रख दीपोत्सव मनाया होगा। इसके बाद हिरण्यकशिपु,विरोचन और राजा बलि से तीन पग पृथ्वी दान मांगने वाले बामन विष्णु द्वारा दैत्यराज बलि से पृथ्वी मुक्त करने के बाद ज्योतिषवर्ष दीपावली मनाया होगा किन्तु इन आक्रान्ता दैत्यकुल के राजाओं के कुशासन से मुक्ति के बाद तत्समय के लोगों ने जो परम आजादी की खुशी और आनंद का महोत्सव मनाया होगा तब प्रतीक के रूप में दीपकों को प्रज्वलित कर दीपोत्सव मनाया होगा जिसका प्रमाण इतिहास में दीपोत्सव मनाने के लिए अंकित नहीं हो सका है,इन आततायियों से मुक्ति के बाद प्रजा को मिली प्रसन्नता के ये सारे प्रकरण तत्समय न तो वेदपुराणों में मिलते हैं और न ही खुशिया मनाने के अवसर की खबर मिलती है। पृथ्वी पर पांच बार के इन विशिष्ट अवसरों पर मनाई गई खुशी में दीपोत्सव न हुआ हो यह संभव नहीं, अवश्य ही इन अवसरों को विस्मृत किये जाने से प्रथम दीपावली कब और कैसे और किस उपलक्ष्य में मनाई गई का पता नहीं चलता है? किन्तु विगत के सभी शीर्ष और पराक्रम को विस्मृत कर आदर्शवान राम के प्रभाव और प्रताप से रावणी अनाचार और आतंक का अंधकार मिटाना सबकी स्मृति में प्रासंगिक बन गया जहाँ श्रीराम के महाशीर्ष के बलवृते प्रभु श्रीराम ने 'निसिचर ह्रीन करौं महि' का अपना लोक विश्रुत प्रण पूर्ण किया था। रावण के आतंक पर श्रीराम की विजय मात्र एक पुराण कथा नहीं, बल्कि भारत देश का जीवित,अमर और अमिट इतिहास है। यह महातपस्वी श्रीराम की रावण की विलासी जीवन शैली पर विजय थी। यह लोकनायक श्रीराम की आतंक के महाखलनायक रावण पर विजय थी। राम की रावण पर विजय के बाद अयोध्या आगमन पर नागरिकों ने

भारत में पहली दीपावली कब और कैसे मनाई गई ?

दीपावली को आलोक पर्व के रूप में मनाना सभी को याद रहा किन्तु उसके पूर्व के महाशीर्ष-पराक्रम को विस्मृत रखा जाना दीपोत्सव के साथ भी न्याय नहीं कहा जा सकता जबकि राम के पूर्व ही समूचा राष्ट्र दीपावली मना चुका हो। ऐसे में प्रभु राम के अयोध्या आने की प्रसन्नता में कालान्तर में समस्त भारत के नगर-नगर,ग्राम-ग्राम और घर-घर दीप जलाना शुरू किया जिससे ज्योति की प्रभा से सब जगमग हो उठा। राम के अयोध्या आगमन पर दीपावली पर्व को उनके प्रसंग से जोड़कर देखे जाने से पूर्व दैत्यराज हिरण्यशक दैत्यराज बलि तक के प्रसंगों को विस्मृत नहीं किया जा सकता है जिनके कारण तत्कालीन प्रजा ने इनके कुशासन से मुक्ति पर प्रसन्नता में दीपों को प्रज्वलित कर घरों-गलियों को रौशनी से भर दिया था। आइये इस धरा के प्रथम दीपोत्सव की शुरुआत कैसे हुई इसपर विचारों को स्वतंत्रता देकर मूल आधार को, उसकी जड़ तक पहुंचा जाये। पृथ्वी के सबसे बड़े द्वीप का नाम,जम्बूद्वीप कहा है जिसमें वर्तमान भारत और आस-पास के 9 उपमहाद्वीप शामिल थे। भरत खंड या भारत इन ती खंडों में से एक है जो उत्तरी भारत में आर्यावर्त का हिस्सा माना है और इसका क्षेत्र ईरान तक फैला हुआ था। तब ईरान क्षेत्र में पैदा हुआ दैत्यराज हिरण्यशक भारत की धरती पर पहली बार आक्रान्ता के रूप में आया जिसने पुरे देश को भयाक्रांत कर आतंक का परमम फहराया। यह भी कहा जा सकता है कि भारत की संपत्ति अर्थात हिरण्य पर दृष्टि रखने के कारण ही उसका नाम हिरण्यशक पड़ा होगा। यह घटना उस अधंकारमय काल की है जब आर्यावर्त की सीमाओं को बार बार कर आर्य जाति ने दक्षिणापंथ की ओर बढ़ना शुरू कर दिया था तथा क्रमशः उत्तर तथा दक्षिण का सम्मिलन होकर भारत देश, भारत राष्ट्र और भारतीय संस्कृति के निर्माण कार्य का प्रारंभ हो गया था। श्रीवराहपुराण के अध्याय एक में उल्लेखित प्रसंग के अनुसार पृथ्वी समुद्रों से धिरे, वन पर्वत एवं नदियों सहित पृथ्वी को शूकरूप धारी वराह ने अपने दाढ़ के अधभाग पर एक मिटटी के ढेले की भांति उत्पन्न पृथ्वी को ढुबने से बचाया, महत्वपूर्ण है जिसके भावार्थ को ठीक से समझने या समझाने पर संसय किया जा सकता है ? पौराणिक मान्यता के अनुसार दैत्य हिरण्यशक को भगवान विष्णु द्वारा श्रापित उनके पापदं जय-विजय,जो दैत्य वंश के थे और भारत में

इन्होंने अपनी जड़ें जमाना शुरू कर दी। तत्समय दैत्य हिरण्यशक ने अपनी सेना सहित भारत में प्रवेश किया और पंजाब और कश्मीर तक अपनी सत्ता स्थापित कर ली थी। इससे आगे बढ़ने में वह कदाचित सफल नहीं हो सका था। परंतु जितने भी भूभाग में वह अपना वर्चस्व स्थापित करने में समर्थ हुआ उस भूभाग में उसने ऐसा भयंकर उत्पात मचाया कि ऋषि मुनियों और देवताओं को लगने लगा जैसे पृथ्वी सहसा ही डूबकर रसातल को चली जाएगी। पुराणों में ऐसा ही रूपात्मक वर्णन हमें प्राप्त होता है जैसा कि नाम से ही प्रकट है,हिरण्यशक ने समस्त भारत में त्राहि-त्राहि मचा दी जिसके अत्याचारों से मुक्त कराने जो विष्णु अवतार सर्वप्रथम हुआ उसका नाम वराह था। वराह को सभी सुअर मानते है यह एक प्रतीक नाम है। जबकि जिसने हिरण्यशक का वध किया वह व्यक्ति या अवतार सूअर न होकर वराह के गुणोंवाला रहा होगा, सभी जानते है कि वराह में बुद्धि नहीं होती, किन्तु वे बहुत शक्तिशाली होते हैं और झपट कर हमला करते हैं किन्तु गंदगी प्रिय,गन्दा भोज उनका स्वभाव होने से वे स्वच्छता और संयम से कोसो दूर रहते हैं। वराह ने हिरण्यशक पर हमला किया होगा तब दोनों के बीच युद्ध हुआ और अंत में हिरण्यशक की सेना को नष्ट कर वराह ने हिरण्यशक को भी मार डाला, जिस स्थान पर यह घटनाएं हुई उसका नाम वराहमूलक कहा जाता है,देखा जाए तो कश्मीर में बरामूला नाम का स्थान प्रसिद्ध है संभवतया यह दैत्यराज हिरण्यशक की राजधानी रही हो जहां पर वराह ने हिरण्यशक ने हमला करके उसे मारा हो तभी इसी कारणों के रहते वराह के नाम पर उसका नामकरण बारामूलक कर दिया हो। हिरण्यपंथ के भाई का नाम हिरण्यकशिपु था जिसकी राजधानी जहाँ थी आज उस स्थान को मुलतान कहा जाता है और मुलतान का नाम प्रह्लाददयगुी था तथा वहाँ प्रह्लाद का मंदिर अभी तक हैं। दैत्य वंश की इस परंपरा में हिरण्यकशिपु ही ऐसा था जिसने विधिपूर्वक किसी नगर को अपनी राजधानी बनाया, राज्य व्यवस्था स्थापित की तथा शासन का कारोबार चलाया। हिरण्यशक तो मुखुलतः खलनायक ही था जो स्थान-स्थान पर अपने केन्द्र बनाकर आपसपस के राज्यों पर आक्रण करता था। हिरण्यकशिपु ने कुशलतापूर्वक अपने साम्राज्य को सुदृढ़ बनाया। उसने ब्रम्हा जी को प्रसन्न कर यह वरदान पाकर खुद को अमर समझ लिया था। वरदान

में उसने ब्रह्मा से माँगा कि वह रात में या दिन में, घर में या बाहर,मानव या पशु कोई भी अस्त्र शस्त्र से धरती पर न आकाश में नहीं मारू और तो और माह के बारह महिने के किसी भी माह में भी न मरू। यह हिरण्यकशिपु के शासन तथा सैन्य व्यवस्थ की ही सुदृढ़ता तथा दक्षता थी जिसमें किसी भी प्रकार से उसका नाश करना असंभव था। उसे इतनी सुरक्षा वस्तुतः इसलिए रखनी पड़ती थी कि वह एक विदेशी शासक था और सेना के बल पर ही शासन करने में उसे सफलता प्राप्त हो सकती थी किन्तु शूकरूप वराह ने उसका अंत कर दिया। इसके बाद हिरण्यकशिपु, प्रह्लाद, विरोचन तथा बलि की कथाएं भारतीय पुराणों की एक मुख्य भाग हैं और उनमें भारत के पारतंत्र्य तथा उसे नष्टकर पुनः स्थापित किए जाने वाले स्वातंत्र्य की गौरव-गाथा छिपी है। प्रह्लाद हिरण्यकश्यप का बेटा था और अपने पिता के अत्याचार को समप्त करना चाहता था। असल में प्रह्लाद भारतीय संस्कृति से प्रेम करने लग था और उसे यह पसंद नहीं था कि उसका पिता उसे नष्टकर उसके स्थान पर भौतिकवादी ईश्वर विहीन संस्कृति की स्थापना करें। भारतीय धर्म संस्कृति की सुरक्षा के लिए प्रह्लाद भारतीय संस्कृति से प्रेम करने वाले अपने अंदर की यह भावना अत्यंत तीव्र रूप से व्यक्त करनी आरंभ कर दी थी। हिरण्यकश्यप ने पहले तो समझा-बुझाकर पुत्र को अपने रास्ते पर लाने की चेष्टा की, परंतु अपने उस मंतव्य में जब वह विफल हुआ तब उसने प्रह्लाद के प्रति क्रूरता का व्यवहार आरंभ कर दिया। उसे आग में जलाया, पहाड़ से गिराया,परंतु तब भी प्रह्ला का बाल भी बांका नहीं हो पाया। इन सब रूपक कथाओं से उन कष्टकर यंत्रणाओं की झलक मिलती है जो प्रह्लाद को दी गई। प्रह्लाद को आग में जलाने से संबंधित घटना तो होली के साथ अभिन्न रूप से जुड़ी हुई है।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटाराअम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

-सम्पादक-

धर्मान्तरण के मामले में 3 आरोपी गिरफ्तार

—संवाददाता—
अम्बिकापुर, 18 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

धर्मान्तरण के मामले में दरिमा पुलिस ने तीन आरोपी को गिरफ्तार किया है। तीनों आरोपी 16 अक्टूबर को ग्राम कुम्हरता गवरखंड में कार्यक्रम आयोजित कर परेशानी व बीमारी ठीक हो जाने की बात कह कर धर्मान्तरण कराया जा रहे थे। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। 16 अक्टूबर को दरिमा पुलिस को जानकारी मिली थी कि सीतापुर निवासी जयप्रकाश साव व मंगरी निवासी अजित कुजूर द्वारा कुम्हरता गवरखंड निवासी झकल राम प्रजापति के यहां लगभग 50 की संख्या में लोग एकत्रित हैं और धर्म विशेष के विश्वास को ठेस पहुंचाते हुए धर्मान्तरण कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को अपने धर्म से जुड़ने एवं जुड़ने से हर परेशानी, बीमारी को दूर कर देने की बात कही जा रही थी। जयप्रकाश साव, अमित कुजूर, झकल राम धर्मांतरण करा रहे थे। मामले में दरिमा पुलिस धारा 4 एवं 299, 3(5) के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना कर रही थी। विवेचना के दौरान पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

सूने मकान में चोरी के मामले में 2 नाबालिग सहित 6 आरोपी गिरफ्तार

—संवाददाता—
अम्बिकापुर, 18 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

सूने मकान में चोरी के मामले में गांधीनगर पुलिस ने 2 नाबालिग समेत 6 आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। जानकारी के अनुसार सत्य प्रकाश सिंह गांधीनगर थाना क्षेत्र के केशवपुर का रहने वाला है। वह 2 अक्टूबर को दोपहर अपने घर में ताला बंदकर सपरिवार अपने पुरतनी घर एमसीबी जिला नागपुर गया था। दूसरे दिन वापस आया और घर के अंदर घुसकर देखा कि छत के ऊपर का दरवाजा खुला था एवं अंदर मेन रोट का ताला टूटा हुआ था। अलमारी के लॉक टूटा था और अलमारी में रखे सोने का हार, 2 जोड़ी कान का झुमका, सोने का कंगन, सोने की नाक की फुल्लरी, जीवितया लॉकेट सोने का,मंगलसूत्र, सोने का चैन व लोकेट, सोने का अंगुठी, चांदी का पायल,बिछिया,सिक्का,चैन, लॉकेट,कमरधनी,कड़ा चांदी का रेडमी नोट 9 प्रो मोबाइल 1 नग व नकदी 30 हजार रुपये नहीं थे। सत्य प्रकाश ने मामले की रिपोर्ट गांधीनगर थाने में दर्ज कराई थी। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ धारा 331 (4), 305 के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना कर रही थी। विवेचना के दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली की दो युवक जेवरात बेचने के लिए ग्राहक को तलाश कर रहे हैं। पुलिस ने घेराबंदी मनीष सोनकर पिता नागेन्द्र सोनकर उम्र 18 वर्ष निवासी कामेल स्कूल के पास नमनाकला थाना गांधीनगर रमेश सेमरिया पिता बिगुल राम उम्र 41 वर्ष निवासी परसोड़ी खुर्द थाना दरिमा को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो बताया कि दो अन्य के साथ मिलकर चोरी करना बताया। और जेवरात को रमेश सेमरिया के माध्यम से विनोद गुप्ता निवासी लक्ष्मीपुर थाना मणीपुर को 21 हजार में व संजय सोनी निवासी हनुमान मंदिर के पास थाना मणीपुर को 68 हजार में बेचना बताया। पुलिस ने इन दोनों आरोपियों को भी गिरफ्तार किया है। इसके अलावा मामले में शामिल दो नाबालिग बालक को गिरफ्तार किया गया है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा के उपस्थिति मे शासकीय बहुउद्देशीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अंबिकापुर मे साइबर जागरूकता कार्यक्रम का किया गया आयोजन

कार्यक्रम मे शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अंबिकापुर एवं नगर पालिका निगम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अंबिकापुर के छात्र छात्राएं हुए शामिल

—संवाददाता—
अम्बिकापुर, 18 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

साइबर अपराध के स्वरूप में निरंतर परिवर्तन होने एवं घटनाओं के रोकथाम हेतु माह अक्टूबर 2025 को राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा जागरूकता माह के रूप में मनाते हुए राष्ट्रव्यापी साइबर जन-जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किये जाने का निर्देश प्राप्त हुआ है,इसी क्रम मे वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा श्री राजेश कुमार अग्रवाल (भा.पु.से.) के गरिमामयी उपस्थिति मे शासकीय बहुउद्देशीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अंबिकापुर मे साइबर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया,आयोजन मे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमोलक सिंह खिल्लों एवं नगर पुलिस अधीक्षक राहुल बंसल (भा.पु.से.) द्वारा छात्र छात्राओं को जागरूक करने हेतु विभिन्न प्रकार के साइबर ठगी एवं उनके रोकथाम पर चर्चा कर आवश्यक जानकारी प्रदान किया गया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा राजेश कुमार अग्रवाल (भा.पु.से.) ने कहा कि समय समय पर सरगुजा पुलिस द्वारा छात्र छात्राओं एवं नागरिकों को जागरूक करने विभिन्न तरीके के उपयोगी जानकारीयों से अवगत कराया जाता है, साइबर अपराध की घटनाओं मे कमी लाने लोगों को अलर्ट रहने की आवश्यकता है,उगों द्वारा लोगों को कई प्रकार के झूसे देकर साइबर ठगी की घटना कारित की जा रही हैं,नागरिकों की थोड़ी से सावधानी ऐसे साइबर अपराधों से बचाव मे सहायक सिद्ध हो सकती है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा ने पीआरएलआईसीई के4 2ord के बारे में विस्तार पूर्वक छात्र छात्राओं को



जानकारी प्रदान की जिसमे बताया गया कि-
पी फॉर पासवर्ड :- आज की डिजिटल दुनिया में,पासवर्ड हमारी ऑनलाइन सुरक्षा की पहली और सबसे महत्वपूर्ण कुंजी है, वह आपके ईमेल, सोशल मीडिया, बैंकिंग ऐस और अन्य ऑनलाइन खातों तक पहुंचने का एकमात्र तरीका है। साइबर जागरूकता का मतलब है कि आप पासवर्ड के महत्व को समझें और उन्हें सुरक्षित रखने के लिए सही कदम उठाएं।
ओ फॉर ओटीपी :- ओटीपी आपके लिए एक शक्तिशाली सुरक्षा उपकरण है, लेकिन आपको इसे सुरक्षित रखने के लिए जागरूक रहना होगा।
ओटीपी कभी साझा न करें : यह सबसे महत्वपूर्ण नियम है।अपना आइडी किसी के साथ साझा न करें,भले ही वह आपसे बैंक का कर्मचारी,पुलिस अधिकारी या कोई रिश्तेदार होने

का दावा करे। कोई भी वैध संस्था आपसे फोन या ईमेल पर आपका ओटीपी कभी नहीं मांगेगी।
एल फॉर लिंक :- अनजान लिंक पर क्लिक न करें यदि आपको किसी ऐसे ईमेल या एसएमएस में ओटीपी प्राप्त होता है जिसमें एक लिंक भी हो,तो उस लिंक पर क्लिक न करें। थोड़ेबाज अवसर आपको नकली वेबसाइटों पर ले जाने के लिए ऐसा करते हैं,जहां वे आपके क्रेडेंशियल चुरा सकते हैं।
ई फार इमरजेंसी:- आमनागरिक ऑनलाइन ठगी और बैंकिंग संबंधी फ्राड होने पर तुरंत बैंक में रिजस्टर्ड मोबाइल नंबर से शिकायत के लिए टोल फ्री नंबर 1930 पर शिकायत करें, साथ ही नजदीकी पुलिस स्टेशन अथवा साइबर सेल से संपर्क करें,जल्दी सूचना प्राप्त होने पर पुलिस टीम द्वारा पीडित को तत्काल सहायता

धनतेरस पर अंबिकापुर में करोड़ों का कारोबार,बाजार रहा गुलजार

—संवाददाता—
अम्बिकापुर, 18 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

दीपावली से पूर्व धनतेरस का लूहार इस बार अंबिकापुर के लिए बेहद खास रहा। पूरे शहर में बाजारों में रौनक छाई रही और जमकर खरीदारी हुई। शहर में एक ही दिन में करोड़ों रुपए का कारोबार हुआ, जिससे व्यापारियों के चेहरे खिले नजर आए। धनतेरस के शुभ अवसर पर ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स,ज्वेलरी,वर्तन,फर्नीचर व मोबाइल जैसी वस्तुओं की रिकॉर्ड तोड़ बिक्री हुई। खासकर सोने-चांदी के स्थिर दामों और ग्राहकों की खरीदारी में उत्साह के कारण ज्वेलरी शॉप्स में भारी भीड़ देखी गई। महिलाओं ने पूजा-सामग्री, वर्तन व आभूषणों की जमकर खरीदारी की। शहर के सदर रोड,देवीगंज रोड,खरसिया रोड और मनेंद्रगढ़ रोड पर दोपहर तक हलचल कम रही, लेकिन शाम होते ही बाजार ग्राहकों से खचाखच भर गया। दुकानदारों ने पहले से ही अपनी दुकानों को आकर्षक रूप से



सजाकर तैयारियां कर रखी थीं। दुकानों में देर रात तक ग्राहकों की आवाजाही बनी रही। ऑटोमोबाइल सेक्टर में भी अच्छी बिक्री दर्ज की गई। शहर के प्रमुख शोरूमों—सरगुजा हीरो,आनंद ऑटोमोबाइल्स, महामाया हौंड,अम्बिका सुजुकी, महामाया टीवीएस—में हजारों बाइक व स्कूटरों की बिक्री हुई। वहीं,जैनसन ट्रेक्टर व भगवती



ट्रेक्टर में भी ट्रैक्टरों की बिक्री से लाखों का कारोबार हुआ। मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स दुकानों—बाबू भाई मोबाइल, श्रीराम मार्बल, विशाल मार्बल,श्रीराम ज्वेलर्स,सोना महल—में भी खरीदारी का जबरदस्त माहौल रहा। ऑनलाइन शॉपिंग के बढ़ते चलन के बावजूद इलेक्ट्रॉनिक्स दुकानों पर ग्राहकों की भारी भीड़ ने व्यापारियों को राहत दी।

पुलिस द्वारा धनतेरस की भीड़ को ध्यान में रखते हुए यातायात के विशेष प्रबंध किए गए। चारपहिया वाहनों का शहर में प्रवेश प्रतिबंधित था,जिससे बाजार क्षेत्र में किसी प्रकार की अव्यवस्था नहीं हुई। देर शाम को बढ़ती भीड़ के बीच भी व्यवस्था सामान्य रही। धनतेरस पर अंबिकापुर ही नहीं,बल्कि पूरे सरगुजा जिले के लोग खरीदारी में कोई कसर नहीं छोड़ी।

पूर्व मंत्री ने भाजपा विधायक की तुलना की बंदर से तो वर्तमान विधायक ने कहा कि हमारी उम्र है उछल-कूद करने की...

—संवाददाता—
मैनपाट, 18 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ के पूर्व मंत्री,वरिष्ठ कांग्रेस नेता अमरजीत भगत ने अजीबो-गरीब बयान दिया है,जिसकी चर्चा खूब हो रही है,उन्होंने एक आम सभा को संबोधित करते हुए कहा, सीतापुर के भाजपा विधायक रामकुमार टोण्डो बंदर है,वह बंदर की तरह उछलते-कूदते रहते हैं, अमरजीत भगत ने क्षेत्र के विकास नहीं करने का आरोप भी विधायक पर लगाया है. पूर्व मंत्री के बयान पर भाजपा विधायक रामकुमार टोण्डो ने पलटवार किया है, दरअसल पूर्व मंत्री अमरजीत भगत कांग्रेस के एक दिवसीय धरना प्रदर्शन में मैनपाट पहुंचे थे,इस दौरान सीतापुर विधायक तंज कहते हुए कहा,रामकुमार टोण्डो विधायक नहीं बंदर है, कभी नान चाकू चलाता है तो कभी पुलिसिया के ऊपर से कूटता है,बंदर जैसा कुदने से कुद नहीं होता, समस्या सुनिए और हल कीजिए, टोण्डो गलती से जीत गया है,



उसको राजनीति नहीं आता है,वहीं अमरजीत भगत के बयान पर सीतापुर विधायक रामकुमार टोण्डो ने पलटवार किया है, उन्होंने कहा कि मैं युवाओं को कभी आत्मरक्षा के लिए नान चाकू चलाता सिखाता हूं, कभी कोई मुसीबत में हो तो नदी में कूदकर जनता को बचाता हूं,यह भी प्रेरणा देने का ही कार्य है और सेवा है,मैं नेता नहीं मैं जनता का बेटा हूं इसलिए दौड़-धूप करते हुए क्षेत्र की जनता की सेवा कर रहा हूं, आगे भी ऐसा ही करता रहूंगा। विधायक रामकुमार टोण्डो ने कहा कि पूर्व मंत्री अमरजीत भगत जी के बयान सही हैं उन्हें वह गलत साबित नहीं करेंगे,उन्होंने यह भी कहा कि अमरजीत भगत का



राजनीतिक अनुभव और उनका राजनीतिक सफर लंबा रहा है मेरी उम्र से अधिक रहा है इसलिए उन्होंने जो कहा है वह सही है वह 30 सालों तक राजनीति में सक्रिय भूमिका निभा चुके हैं लेकिन मेरी उम्र है अभी मैं उछल-कूद कर सकता हूं करता हूं,यदि मैं युवाओं के साथ खेलता हूं मेरी उम्र है, मैं यदि लड़कियों को आत्मरक्षा का गुण नान चाकू चलाकर सिखाता हूं यह मेरी सैनिक रह चुकने कि जिम्मेदारी है कि आत्मरक्षा का प्रशिक्षण सभी प्राप्त का सके,उन्होंने यह भी कहा कि अमरजीत भगत वर्षों तक सीतापुर के विधायक रहे मंत्री रहे लेकिन सड़क के लिए उन्होंने तब नहीं सोचा और सड़को

कैदी के प्रताड़ना के आरोप में केन्द्रीय जेल के चार प्रहरी बर्खास्त

—संवाददाता—
अम्बिकापुर, 18 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

सेंट्रल जेल अंबिकापुर से हत्या के मामले में सजा काट रहे कैदी के फरार होने की घटना के बाद जेल प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। मामले की जांच पूरी होने के बाद जेल में पदस्थ चार प्रहरीयों को गंभीर लापरवाही का दोषी पाते हुए सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। घटना के बाद जेल प्रशासन ने मामले की गहन जांच शुरू की थी। जांच अधिकारी की रिपोर्ट में यह सामने आया कि जेल सुरक्षा में गंभीर चूक हुई थी। इसी आधार पर केन्द्रीय जेल अंबिकापुर में पदस्थ जेल प्रहरी नीलेश केरकेड्डा,लोकेश टोण्डो, ललईराम और चंद्र प्रकाश को दोषी ठहराया गया। जेल अधीक्षक ने चारों को अनुच्छेद 311 के तहत बर्खास्त करने की कार्रवाई की,जिसे



जेल मुख्यालय ने भी मंजूरी दे दी है। बिलासपुर जिले के ग्राम मल्लार निवासी मुकेश कांत पिता हरिप्रसाद (41 वर्ष) हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहा था। वह पहले बिलासपुर केन्द्रीय जेल में बंद था,लेकिन वहां किसी अपराधिक गतिविधि में संलिप्त पाए जाने पर वर्ष 2024 में उसे केन्द्रीय जेल अंबिकापुर स्थानांतरित कर दिया गया है। 4 अक्टूबर को कैदी को यूरिन संबंधित बीमारी की

शिकायत पर जेल प्रशासन के निर्देश पर मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर में भर्ती कराया गया था। उसे अस्पताल के जेल वाई में रखा गया था,जहां जिला पुलिस बल के जवान सुरक्षा इयुटी पर तैनात थे। 6 अक्टूबर को इयुटी में तैनात आरक्षक आरोपी को शौचालय ले गया था। इसी दौरान कैदी ने पुलिसकर्मों को चकमा देकर फरार हो गया था। बाद में यह जानकारी मिली थी कि फरारी के बाद कैदी अपने गृह जिले बिलासपुर पहुंच गया था,जहां उसे आगे वह फरार हो गया था। इस घटना को लेकर कैदी मुकेश कांत की पत्नी अमरीका बाई कुर्गे ने अंबिकापुर जेल में पति को प्रताड़ित करने का आरोप लगाया था। उसका कहना है कि उसे जेल में मिलने वाली सुविधाएं नहीं दी जाती थीं। उसका कहना है कि पति को बिलासपुर जेल में ही रखा जाए।

लुण्डा विधायक प्रबोध मिंज के शासकीय आवास में चोरी की कोशिश



—संवाददाता—
अम्बिकापुर, 18 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

लुण्डा विधायक प्रबोध मिंज के शासकीय आवास अंबिकापुर में चोरी का दिनदहाड़े प्रयास करने का मामला सामने आया है। यह आवश व्हीआईपी कॉलोनी में है। चोरों ने विधायक आवास का ताला तोड़कर सामानों को सहेजा और इसे ले जाने के लिए वे बकायदा पिकअप वाहन क्रमांक जेचू 07 एम 66114 लेकर आए। इनके द्वारा पिकअप के चालक को बताया गया था कि विधायक आवास से सामान दूसरे जगह शिफ्ट करना है। इनके द्वारा विधायक आवास में रखे सोफा को पिकअप में लोड करवा दिया गया था। इस पर एक व्यक्ति की नजर पड़ी और वह पूछताछ करते हुए रोकटोक करने का प्रयास किया, इसके बाद दो युवक, जो विधायक आवास का ताला तोड़कर सामानों को पिकअप में लोड करवा रहे थे,वे मौके से फरार हो गए। मामला पुलिस के संज्ञान में लाया गया। इसके बाद मौके पर पहुंची गांधीनगर थाना पुलिस ने पिकअप वाहन को अपने कब्जे में ले लिया है और चोरों के तलाश में जुट गई है। पूछताछ में पिकअप के चालक ने बताया कि उसे सामान एक जगह से दूसरे जगह शिफ्ट करने की जानकारी देकर लाया गया था।

युवक पर वाकू से हमला,चार हिरासत में

—संवाददाता—
अम्बिकापुर, 18 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

दर्रापारा में गुरुवार की रात चार बदमाशों ने एक युवक चार चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामले में पुलिस ने आरोपियों को हिरासत में लिया है। जानकारी के अनुसार मोहन नाविक पिता रामदेव नाविक शहर के दर्रापारा स्थित जेल तालाब के पास का रहने वाला है। वह पेंट-पूटी का काम करता है। गुरुवार की रात 11.30 बजे काम कर घर पहुंचा। घर के बाहर चार लोग पूर्व से खड़े थे। युवकों को देखकर मोहन नाविक ने पूछा कि क्या है भाई इधर क्या है। इस पर चारो युवक आक्रोशित हो गए और उसके साथ मारपीट करने लगे। इस दौरान बदमाशों ने अपने पास रखे चाकू से उसके ऊपर हमला कर दिया। बदमाशों द्वारा चार से पांच बार चाकू माने से युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गया। आवाज सुनकर परिजन घर के बाहर निकले तो बदमाशों ने वहां से भाग गए। परिजन उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया है। परिजन ने बताया कि मोहन नाविक धनतेरस व दिवाली मनाने के लिए 10 हजार रुपए पेमेंट लेकर आया था व उसका मोबाइल का पता नहीं चल रहा है। मामले में मणिपुर पुलिस ने सदरियों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

को पूर्ण रूप से पता नहीं रहती है वर्तमान समय मे बच्चों को ऑनलाइन गेमिंग का शौक होता है,ऑनलाइन गेमिंग खेलते वकत अनजाने में कई ऐसे लिंक क्लिक हो जाते हैं जिससे नासमझी में खाते से पैसे कट जाता है ऐसी स्थिति में सबसे पहले कहां संपर्क किया जाए और किसी घटना की जानकारी दी जाए यह सबसे पहली व्य्था होती है,इस स्थिति में आमनागरिक साइबर सम्बन्धी हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क कर साइबर सम्बन्धी परेशानियों को दर्ज कराये अन्य किसी प्रकार की समस्या या परेशानी में डायल 112 एक्के नंबर सब्बो बार का उपयोग करें,इस कार्यक्रम से प्राप्त जानकारी को छात्र-छात्राएं अपने माता-पिता एवं परिजनों को जाकर बताये और उन्हें भी यह जानकारी प्रदान कर जागरूक करें,सभी नागरिकों छात्र-छात्राओं एवं निकट परिजनों को सतर्क करना है किसी भी प्रकार की साइबर संबंधी फ्राड हो तो तत्काल नजदीकी पुलिस स्टेशन पर संपर्क कर घटना की सूचना और रिपोर्ट दर्ज कराये। कार्यक्रम में शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अंबिकापुर से श्रीमती सुनीता दास, तथा शासकीय बहुउद्देशीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय से व्याख्याता शैलेन्द्र सिंह सेंगर,रिना रानी सहाय,एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी प्रकाश एक्का, व्याख्याता संतोष साहू, दीपक जैन सहित अन्य शिक्षकगण एवं साइबर सेल से आरक्षक विशेषज्ञ अनुज जायसवाल, पुलिस मितान एवं साइबर वॉलेंटियर टीम के सदस्य अतुल गुप्ता,विक्की गुप्ता,श्रुति तिवारी,अनमोल बारी एवं करीब 900 छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

पुलिस की बड़ी कार्रवाई...495 शीशी अवैध कफ सिरप जब्त,तीन आरोपी गिरफ्तार



**-संवाददाता-
वाड्फनगर, 18 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।**
पुलिस ने नशीले पदार्थों की तस्करी पर बड़ी कार्रवाई करते हुए एक लम्बरी कार से भारी मात्रा में अवैध कफ सिरप जब्त किया है। पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में ले कर जेल भेजा है। जानकारी के अनुसार, सरगुजा रेंज के पुलिस महानिरीक्षक दीपक कुमार झा (भा.पु.से.), पुलिस अधीक्षक वैभव बैकैर



(भा.पु.से.) एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विश्वदीपक त्रिपाठी के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। चौकी प्रभारी धीरेंद्र तिवारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने उत्तर प्रदेश सीमा से बलरामपुर जिले की ओर आ रही इनोवा क्रिस्टा कार (क्रमांक P 70 ED 7182) को रोककर तलाशी ली। तलाशी के दौरान वाहन से 495 शीशी (100 एमएल) अवैध कोडीन युक्त कफ सिरप, कुल 49.5 लीटर नशीला पदार्थ, 73,755 रुपये नगद और उक्त वाहन जब्त किया गया। जब्त माल की कुल कीमत लगभग 1.50 लाख रुपये आंकी गई है। जिसमें गिरफ्तार आरोपि नागेश्वर यादव, पिता मुरारी यादव,उम्र 22 वर्ष,निवासी ललता,थाना कमलेश्वरपुर,जिला सरगुजा अतुल यादव,पिता मुरारी लाल यादव,उम्र 24 वर्ष,निवासी ग्राम परसाखुड़,थाना बोटली, जिला सरगुजा तथा सुशील उर्फ पिंदू यादव, पिता रामजी यादव,उम्र 20 वर्ष, निवासी ग्राम मुरताखंड,थाना बोटली, जिला सरगुजा के निवासी है। पुलिस पूछताछ में

छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन संयुक्त कलेक्टर और जिला शिक्षा अधिकारी को सौंपा

**-संवाददाता-
सूरजपुर, 18 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।**
छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन ने जिला स्तरीय ज्ञापन कार्यक्रम के तहत जिलाध्यक्ष भूपेश सिंह के नेतृत्व में तथा प्रान्तीय महामंत्री रंजय सिंह प्रांतीय प्रचार सचिव अजय प्रताप सिंह की मौजूदगी में मुख्यमंत्री,मुख्य सचिव तथा शिक्षा सचिव के नाम संयुक्त कलेक्टर पुष्पेंद्र शर्मा को ज्ञापन सौंपा साथ ही संचालक लोक शिक्षण संचालालय छत्तीसगढ़ के नाम विभिन्न मांगों का ज्ञापन जिला शिक्षा अधिकारी अजय मिश्रा को तथा इसी विषय वस्तु का मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन ब्लॉक अध्यक्ष चंद्रदेव चक्रधारी के नेतृत्व में विकासखंड शिक्षा अधिकारी सूरजपुर हर्देद सिंह को सौंपते हुए शिक्षक एल बी संवर्ग के मांगों के निराकरण हेतु बात रखी गई है। जिलाध्यक्ष भूपेश सिंह ने बताया है कि हमारी मांगों में 2012 के पूर्व सेवार्त शिक्षकों के लिए टी ई टी परीक्षा से मुक्त रखने की पहल माननीय उच्चतम न्यायालय में पुनर्विचार याचिका प्रस्तुत किए जाने,प्रथम नियुक्ति तिथि से पुरानी पेंशन निर्धारित किए जाने, 33 वर्ष के स्थान पर 20 वर्ष अर्हकारी सेवा में पूर्ण पेंशन का प्रावधान किए जाने तथा सभी पात्र एल बी संवर्ग के शिक्षकों क्रमोन्नति/समयमान दिए जाने की मांग रखी है

2. पेंशन निर्धारण हेतु सेवा अवधि की गणना सविलियन दिनांक 1 जुलाई 2018 से करने के कारण 2028 के पूर्व सेवानिवृत्त होने वाले एल0बी0 ससंवर्ग के शिक्षकों को पुरानी पेंशन का लाभ नहीं मिल रहा है। अतः पूर्व सेवा (प्रथम नियुक्ति) अवधि की गणना करते हुए समस्त शिक्षक एलबी संवर्ग के लिए पुरानी पेंशन निर्धारित करने।

3. भारत सरकार द्वारा 2 सितंबर 2008 को उत्तरप्रदेश सरकार द्वारा दिनांक 16 सितंबर 2009 को तथा उत्तराखंड सरकार द्वारा 29 अक्टूबर 2010 को आदेश जारी कर 33 वर्ष की अर्हकारी सेवा में पूर्ण पेंशन का प्रावधान किया गया है। सेवानिवृत्त होने पर छत्तीसगढ़ में 33 वर्ष की अर्हकारी सेवा में पूर्ण पेंशन का नियम है,अतः निवेदन है कि भारत सरकार, उत्तरप्रदेश एवं उत्तराखंड सरकार के समान 20 वर्ष की अर्हकारी सेवा में पूर्ण पेंशन (अंतिम वेतन का 50 प्रतिशत) का प्रावधान करने।

4. माननीय उच्च न्यायालय बिलासपुर द्वारा याचिका क्रमांक डब्ल्यूए/261/2024 में डबल बैच द्वारा पारित निर्णय दिनांक 28/02/2024 के तहत सभी पात्र एल0बी0 संवर्ग के शिक्षकों के लिए क्रमोन्नति/समयमान का जनरल आर्डर जारी करने संबंधी ज्ञापन सौंपकर अपनी मांग दोहराई है ज्ञापन देने वाले शिक्षकों में अजय प्रताप सिंह,भूपेश सिंह, चंद्रविजय सिंह,पीतांबर मरावी,अनिल चक्रधारी,घनश्याम सिंह,चंद्रदेव चक्रधारी, विजेंद्र साहू,राजेश्वर सिंह,मुंज टोणो,ईश्वर प्रताप सिंह,मूंज कुमार पात्रे,खेल साय सिंह, उमेश गुर्जर,रमेश जायसवाल,दोहन राम प्रजापति,खिलानंद सिंह,दुलेश्वर प्रताप सिंह,देवराय यादव,दयानंद राजवाड़े,विजय कुरे,विजेंद्र सिंह,प्रेमदास गुप्ता,शंभूनाथ मिंज, शिव करयप,राजेश सिंह,ज्वाला प्रसाद कुरे,टेक राम राजवाड़े,राजाराम साहू,महेंद्र राजवाड़े,अशोक शाक्य ,कैलाश सिंह,उमाकांत मिश्रा,लाल साय शाहिल्य,लखन राम राजवाड़े,प्रेम कुमार कुशावहा,आदि शिक्षक शिक्षिका उपस्थित थे।

ज्ञापन की विषय वस्तु में...
1. माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा 1 सितम्बर 2025 को पारित निर्णय जिसमें 5 वर्ष अधिक सेवा वाले शिक्षकों के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) को अनिवार्य किया गया है छत्तीसगढ़ शासन द्वारा 17 अगस्त 2012 को जारी छत्तीसगढ़ राजपत्र शिक्षक पंचायत संवर्ग भर्ती तथा सेवा की शर्तें नियम 2012 के तहत शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) को अनिवार्य किया गया है, इसके पूर्व नियुक्त शिक्षकों के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) अनिवार्य नहीं था, अतः माननीय सुप्रीम कोर्ट में हस्तक्षेप/पुनर्विचार याचिका दायर कर 17 अगस्त 2012 के पूर्व नियुक्त सेवार्त शिक्षकों के हितों की रक्षा करने छत्तीसगढ़ शासन द्वारा आवश्यक पहल करने।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष चुनाव में 8 दावेदार कार्यकर्ताओं की राय से तय होगा नेता..

कांग्रेस की सियासी सरगर्मी तेज...जिलाध्यक्ष पद की दौड़ में छह दावेदार ,बनेगा पैनल..

**-संवाददाता-
बलरामपुर, 18 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।**
बलरामपुर जिले में छत्तीसगढ़ कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान के तहत अब बलरामपुर जिले में भी राजनीतिक तापमान चढ़ गया है। जिलाध्यक्ष पद को लेकर पार्टी के भीतर खींचतान और शक्ति प्रदर्शन तेज हो गया है। एआईसीसी के पर्यवेक्षक दल के आगमन के साथ ही ब्लॉक से लेकर जिला स्तर तक कांग्रेस कार्यकर्ताओं में हलचल मच गई है। गुरवार को पहुंचे एआईसीसी पर्यवेक्षक दल ने जिले के विभिन्न ब्लॉकों में बैठकें कर कार्यकर्ताओं से रायशुमारी की शुरुआत की। सूत्रों के अनुसार,जिलाध्यक्ष पद के लिए छह नामोंका पैनल तैयार किया जाएगा,जिसमें सबसे अधिक समर्थन प्राप्त नेता का नाम अंतिम रूप से दिल्ली भेजा जाएगा। पर्यवेक्षक दल में महाराष्ट्र के विधायक विकास ठाकरे (एआईसीसी पर्यवेक्षक), छत्तीसगढ़ कांग्रेस के पर्यवेक्षक द्वारकाधीश यादव,विधायक छत्र्नी साहू और पूर्व विधायक खुर्जी (राजनांदगांव) शामिल रहे। दल ने सबसे पहले रघुनाथनगर ब्लॉक से रायशुमारी की शुरुआत की। इसके बाद वाड्फनगर और रामानुजगंज



जिलाध्यक्ष पद की दौड़ में छह दावेदार
बलरामपुर कांग्रेस में इस बार जिलाध्यक्ष पद के लिए मुकाबला बेहद दिलचस्प होता दिख रहा है। वर्तमान जिलाध्यक्ष केपी सिंहदेव, जो पूर्व उपमुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव के करीबी माने जाते हैं, एक बार फिर अपनी दावेदारी पेश कर रहे हैं।
इनके अलावा कई अन्य नेता भी मैदान में हैं
हरिहर यादव (वाड्फनगर) अजय गुप्ता (रामानुजगंज) प्रेमसागर (बलरामपुर) संजीत गुप्ता (बलरामपुर) सुनील सिंह (राजपुर) हरीश मिश्रा (कुसमी) मोहम्मद अब्दुला (चांदी ब्लॉक अध्यक्ष) जितेंद्र गुप्ता (जिला महामंत्री) राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक, बलरामपुर जिला संगठन में अब भी टी.एस. सिंहदेव गुट का वर्चस्व मजबूत है, और अधिकांश दावेदार उन्हीं के समर्थक माने जाते हैं। इससे अनुमान लगाया जा रहा है कि नया जिलाध्यक्ष भी संभवतः सिंहदेव कैंप से ही होगा।
में कार्यकर्ताओं से चर्चा की गई। मुख्यालय पहुंचा,जहां ब्लॉक कल देर शाम दल बलरामपुर कांग्रेस कमेटीयों की संयुक्त बैठक

की सहमति से चुना जाए। हमारी कोशिश है कि हर उस कार्यकर्ता तक पहुंच बनाई जाए जो जमीनी स्तर पर पार्टी के लिए काम कर रहा है। आगे की कार्रवाई भी उन्हीं की समझ और इच्छा के अनुसार की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि कांग्रेस का संगठन तभी मजबूत होगा जब हर स्तर पर कार्यकर्ता की राय को प्राथमिकता दी जाए। हमारा उद्देश्य है कि संगठन की कमान ऐसे व्यक्ति को दी जाए जिसे सबसे अधिक कार्यकर्ताओं की स्वीकार्यता प्राप्त हो,ठाकरे ने कहा। उन्होंने बताया कि अध्यक्ष पद के लिए छह नामों का पैनल तैयार कर आलाकमान को भेजा जाएगा।
आंतरिक राजनीति में फिर आई गर्मी
संगठन सृजन अभियान के चलते बलरामपुर में कांग्रेस की आंतरिक राजनीति एक बार फिर तेज तापमान पर है। अंदरूनी समीकरणों और गुटिय शक्ति प्रदर्शन के बीच अब सबकी नजर इस बात पर है कि अंतिम मुहर किसके नाम पर लगती है। विश्लेषकों के अनुसार, युवा नेताओं की सक्रियता ने पुराने समीकरणों को चुनौती दी है और इस बार का परिणाम कई नई दिशाएं तय कर सकता है।

बसंतपुर पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी,शातिर बाइक चोरों का किया पर्दाफाश दस आरोपियों को गिरफ्तार कर विभिन्न जिलों के थाना क्षेत्रों से चोरी किए गए ग्वार मोटर सायकल किए जात

**-संवाददाता-
बलरामपुर, 18 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।**
बलरामपुर जिले के बसंतपुर थाना प्रभारी को17/10/2025को विशेष मुखबिर से सूचना मिली की ग्राम रूपपुर निवासी जगजीवन राम कुजूर एवं राजेश रवि चोरी किए गए बाइक को बेचने के लिए ग्राहक तलाश रहे हैं। सूचना पर बसंतपुर थाना प्रभारी अपने हमराह स्टाफ के साथ ग्राम रूपपुर पहुंचकर संदेही जागीवन राम कुजूर से एक लाल काला फ्लसर 150, सी सी बिना नम्बर वाली बाइक जिसका चैसिन न MD2E11CX I R C J 23389 इंजन न.D H X C R J 31184को कब्जे में लेकर पृच्छाछ करने पर आरोपी पहले आनाकानी करने लगा। सख्ती से पूछ ताछ करने पर कबूला अपना जुर्म, पूछ ताछ करने पर अपने आरोपी जगजीवन राम कुजूर ने बताया कि बटौली नकना गांव के सांझ बादी,गोलू बादी,छेरू बादी,मंदू बादी,अनिल पावले से चोरी किया हुआ मोटर साइकल बेचा हूँ, पुलिस ने



आरोपी शातिर चोर के द्वारा बताए हुए व्यक्तियों जगजीवन राम को कुजूर पिता ज्योति प्रकाश कुजूर, ग्राम रूपपुर थाना बसंतपुर राजेश रवि पिता शिवकुमार, रूपुर थाना बसंतपुर, सनी पिता शंकर कुशवाहा, नगर पंचायत वाड्फनगर, अनुराग यादव, मानिक चंद यादव, बसंतपुर थाना बसंतपुर, सियाराम अगरिया पिता अर्जुन अगरिया, थाना बसंतपुर, देवशरण पिता प्रबोध रूपपुर थाना बसंतपुर, शिवचरण पिता जवाहीर लाल रूपपुर थाना बसंतपुर, राहुल पिता रुपेंद्र प्रजापति ग्राम मेहेवा थाना बसंतपुर, संदीप अगरिया पिता राम मनोहर अगरिया थाना बसंतपुर, रंजन विश्वकर्मा पिता नागेंद्र विश्वकर्मा लाल टावर थाना अनपरा जिला सोनभद्र (यूपी.) के रहने वाले बी विल कंपनियों के चोरी किए हुए 11बाइक जिनकी अनुमानित कीमत 6,20,000, रुपय आंकी गई है।
को जब कर सभी थानों में सूचना भेजकर आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर रिमांड पर जेल भेजा गया। कारवाही में थाना प्रभारी जितेंद्र सोनी, उस निरीक्षक रघुनाथ सिंह मरावी, व थाने के अन्य स्टाफ शामिल रहे।
इशतहार
आवेदक तीर्थ रविदास आ0स्व0 रामप्रसाद व अन्य निवासी अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम अम्बिकापुर स्थित भूमि खसरा नंबर 4860/1, 4860/3 रकबा 0.077, 0.008 हे0 भूमि के ज़रा पुस्तिका हेतु आवेदन पेश किया गया है।
उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 14.11.2025 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अधिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
यह ईशतहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 14/10/2025 को जारी किया जाता है।
(सील) उमेश्वर सिंह बाज तहसीलदार, अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक : 202510020700034
विषय:-ब-121 मामले की श्रेणी:-राजस्व सन्-2025-26
अम्बिकापुर प.ह.न. 00015 (हे0)
पक्षकारों का विवरण -
आवेदक पक्षकार -बागर राम
ईशतहार
आवेदक बागर राम आ0स्व0 धोबी चमार, निवासी ग्राम बकिरमा, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर बताया गया है कि ग्राम अम्बिकापुर स्थित खसरा नंबर 2499, 2506 रकबा 0.64, 0.53 एकड़ भूमि आवेदक के पिता स्व0 धोबी चमार वल्द जूठन चमार कौम चमार के नाम पर सैटलमेंट में दर्ज है। वर्तमान राजस्व अभिलेखों में उक्त भूमि त्रुटिवश ग्राम नौकर (कोटवार) सेवा भूमि के रूप में दर्ज हो गया है। जबकि आवेदक के पिता की स्वाभिव्यक्ति की भूमि है। आवेदक के पिता की मृत्यु हो चुकी है। उक्त भूमि को आवेदक के द्वारा अपने नाम पर दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र अनुविभागीय अधिकारी महोदय अम्बिकापुर के समक्ष में प्रस्तुत किया गया है, जो जाँच प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।
उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 07.11.2025 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अधिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
यह ईशतहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 14/10/2025 को जारी किया गया है।
(सील) उमेश्वर सिंह बाज तहसीलदार, अम्बिकापुर

न्यायालय नज़ूल अग्रिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा (छ0ग0)
रा0प्र0क्र0...../अ- 6 / 2025-26
ईशतहार
एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अंकित दुबे आ0 अमरेश्वर दुबे, उम्र 40 वर्ष जाति ब्राम्हण निवासी मायापुर अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा तदाशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदक पूर्व अनावेदकण क्र. 01 से 03 धनंजय दुबे, विन्दिवा तिवारी, अनिता सुक्ला की माता एवं अमरेश्वर दुबे की पति रामसंवारी देवी पति अमरेश्वर दुबे के स्वाभिव्यक्ति व अधिलक्ष की शीट नं. 03, मोहल्ल रिग रोड नगर अम्बिकापुर स्थित नज़ूल प्लॉट नं. 1701 / 3 रकबा 0.10 एकड़ भूमि स्थित है। रामसंवारी देवी की मृत्यु दिनांक 11.08.2025 को की गयी है। अतः भूधायक की मृत्यु हो जाने उपरांत आवेदकण द्वारा फौजि नामांतरण के आधार पर उक्त भूमि के नज़ूल अभिलेख से अपनी माता का नाम विलोपित कर स्वयं का नाम दर्ज कराने हेतु मुक्त भूधायक की मृत्यु प्रमाण पत्र की छायाप्रति मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अनर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है।
अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 31/10/ 2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। निवर्त तिथि के पश्चात प्राप्त दावा अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
आज दिनांक 14/10/2025 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया।
(सील) नज़ूल अधिकारी अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक : 202510020700066
विषय:-अ-6 मामले की श्रेणी:-राजस्व सन्-2025-26
अम्बिकापुर प.ह.न. 00015 [1929/13(0.0240 हे0)]
पक्षकारों का विवरण -
आवेदक पक्षकार -शक्ति सेठी
ईशतहार
आवेदक शक्तिज सेठी आ0 अशोक कुमार सेठी, निवासी केदारपुर, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर बताया गया है कि आवेदक की माता नीता सेठी पति अशोक कुमार सेठी के नाम पर ग्राम अम्बिकापुर स्थित खसरा नंबर 1929/13 रकबा 0.024 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखों में आवेदक की माता का नाम त्रुटिवश रीता सेठी अंकित हो गया है जबकि आवेदक की माता का वास्तविक नाम नीता सेठी है। आवेदक द्वारा उक्त त्रुटि को सुधार किये जाने हेतु निवेदन किया से गया है।
उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 07.11.2025 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अधिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
यह ईशतहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 14/10/2025 को जारी किया जाता है।
(सील) उमेश्वर सिंह बाज तहसीलदार, अम्बिकापुर

विकासखण्ड स्तरीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन : गेड़ी दौड़,पिट्टल और फुटबॉल खेलों में खिलाड़ियों ने दिखाया उत्साह और प्रतिभा



**-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 18 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।**
युवाओं में खेल भावना को बढ़ावा देने और ग्रामीण प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से सांसद खेल महोत्सव के अंतर्गत विकासखण्ड स्तरीय खेल

प्रतियोगिता का आयोजन जिले के लखनपुर, लुण्ड्रा,अम्बिकापुर, मैनपाट और सीतापुर ब्लॉक में किया गया। दो दिवसीय इस खेल आयोजन में बड़ी संख्या में खिलाड़ी और खेलप्रेमी शामिल हुए। कार्यक्रम के तहत आयोजित खेलों में गेड़ी दौड़, पिट्टल और फुटबॉल प्रतियोगिताएं प्रमुख शामिल है। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने पूरे जोश और प्रतिस्पर्धा के साथ विभिन्न खेलों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर कार्यक्रम में शामिल जनप्रतिनिधियों ने कहा कि सांसद खेल महोत्सव जैसी पहल ग्रामीण अंचलों में छिपी खेल प्रतिभाओं को आगे लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। खेलों से अनुशासन, टीम भावना और आत्मविश्वास का विकास होता है, जो युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक है।



दम तोड़ रहे करोड़ों की लागत से बने रूलर इंडस्ट्रियल पार्क, करोड़ों की मशीनें बन रही कबाड़

कभी यहां से ग्रामीण क्षेत्रों की महिला समूहों को मिलता था रोजगार...

- पलाई ऐश ईट,टेराकोटा,बांस गुड़ी काष्ट गुड़ी,दोनापतल,गोबर पेंट,आलू चिप्स,जैसे कई उपयोगी वस्तुओं का होता था निर्माण
- सरकार बदलने के बाद ठप्प हुआ रिपा प्रोजेक्ट,मशीन और भवन हो रहे कबाड़

-राजन पाण्डेय-
कोरिया/एमसीबी 18 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।

कोरिया एवं एम सी बी जिले में महात्मा गांधी ग्रामीण औद्योगिक पार्क यानी रिपा प्रोजेक्ट ठप पड़ा है। रिपा में स्वीकृत निर्माण कार्यों से लेकर जितने भी काम हो रहे थे वो सभी बंद है। आपको बता दें कि कोरिया और एमसीबी जिले में लगभग 10 रिपा प्रोजेक्ट शुरू हुए थे। लेकिन प्रोजेक्ट का कोई खास फायदा नहीं मिल सका। इन प्रोजेक्ट पर लगभग 20 करोड़ रुपए से अधिक की राशि खर्च की गई। अब हालात ये हैं कि ग्रामीण औद्योगिक पार्क वीरान पड़े हैं। इसमें महीनों से ताला लगा है,दरअसल रिपा प्रदेश में कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में ड्रीम प्रोजेक्ट के रूप में शुरू किए गए थे,जहां गोबर पेंट इकाई, पेबर ब्लॉक,फलाई एस ब्रिक्स,पेपर कप,बोरी बैग समेत अन्य उत्पादों का निर्माण स्व सहायता समूहों की मदद से कराया जाता था,लेकिन सरकार बदलने के बाद ग्रामीण औद्योगिक पार्क अब सफेद हाथी बने हुए हैं।

करोड़ों की मशीनें बन रही कबाड़

कोरिया और एमसीबी में जिन ग्रामीण औद्योगिक पार्कों की स्थापना की गई थी,वो बन्द मिले इन पार्कों के प्रोडक्शन यूनिट भी बंद मिले। आसपास के ग्रामीणों ने बताया कि रिपा केंद्रों में प्रोडक्शन का काम ठप है। सरकार बदलने के बाद से कोई काम नहीं हुआ। रिपा केंद्रों में काम करने वाली गांव की स्व सहायता समूह की महिलाओं ने नाम ना बताने की शर्त पर कहा कि उन्होंने शुरू के दिनों में काम किया काम अच्छा चला भी लेकिन अब अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। कोरिया जिले की आनी पिपरिया मझगावा कुशाह घुघरा पुरला में अलग-अलग युनिटों की स्थापना की गई कहीं पर बेड यूनिट, पेबर ब्लॉक,फलाई ऐश ब्रिक्स शुरू हुआ तो कहीं दोना पतल टेराकोटा कहीं मिट्टी गुड़ी काष्ट गुड़ी बांस गुड़ी,कहीं घेरा जाली तो कहीं आलू चिप्स इस तरह से की कार्य शुरू हुए कुछ दिन चले भी लेकिन बाद में बन्द हो गए। एम सी बी की बात करें तो ग्राम पंचायत दुबछेला में रिपा प्रोजेक्ट शुरू ही नहीं हुआ। थर लगी मशीनें इसी तरह पड़ीं रहीं तो धीरे-धीरे कबाड़ में तब्दील हो रही हैं। आनी गांव के रिपा केंद्र में मसाला उत्पादन यूनिट, दूध, बेकरी और मिलेट यूनिट अब बन्द है,ग्रामीणों ने कहा कि यहां क्या होता है,क्या बनता है,उन्हें इसकी जानकारी नहीं है। जानवरों के लिए बने नाद खाली पड़े थे। स्व सहायता समूह मशरूम शेड, मुर्गी,बकरी पालन शेड बंद हैं, बकरी शेड में कबाड़ रखा हुआ था। केंविके दुध यूनिट भी शिफ्ट नहीं हो सका।



चावल प्रोसेसिंग यूनिट और बकरी शेड भी हुआ बेकार



रिपा कैम्पस के कई भवन जर्जर कुछ आज तक अधूरे



वीरान हुए गौतम, लगा ताला

पिपरिया कुशाह के रिपा केंद्र में ताला

ग्राम पंचायत कुशाह एवं पिपरिया के रिपा प्रोजेक्ट में सभी युनिट में ताला लगा हुआ है। फलाई ऐश ईट,गोबर पेंट से लेकर हर तरह का निर्माण बंद पड़ा है,अन्य उत्पाद भी तैयार नहीं हो रहे हैं। देखने पर लगा कि यहां लंबे समय से कार्य नहीं चल रहा है,ग्राम पंचायत घुघरा,मझगावा में रिपा प्रोजेक्ट के तहत गोबर पेंट इकाई,पेबर ब्लॉक,फलाई एस ब्रिक्स,पेपर कप,बोरी बैग समेत अन्य उत्पाद शुरू किए गए थे,लेकिन यहां भी सब कुछ बंद पड़ा है। यहां सभी कक्षाओं में ताला लगा हुआ है, पार्क का मुख्य गेट तो खुला था, लेकिन अंदर सुरक्षा के लिए कोई नहीं है। यहां स्वीकृत निर्माण भी अधूरे पड़े हैं,आपको बता दें कि रिपा केंद्रों को लेकर खण्ड स्तर के अफसरों के दावे कुछ और ही हैं,अफसर का कहना है कि जब डिमांड आती है तो रिपा केंद्र में काम करवाया जाता है, लेकिन मीडिया ने जिन केंद्रों का दौरा किया,वहां की मौजूदा हालत देखकर बिचकल भी नहीं लगता कि रिपा केंद्रों में कहीं से भी उत्पादन हो रहा है,बहरहाल करोड़ों रुपए खर्च करके जिस सपने के साथ इन केंद्रों को खोला गया था,वो सपना अब भी अधूरा है।



धूल खा रही लाखों की फलाई ऐश ईट मशीन



कुशाहा में बन्द पड़ा रिपा प्रोजेक्ट सभी युनिटों में लगा ताला

पुरला में कई समान नदरत हो चुकी चोरी

पुरला गौतम में संचालित रिपा केंद्र में कई समान चोरी हो चुके हैं जिसकी रिपोर्ट पंचायत द्वारा थाने एवं विभाग में दी जा चुकी है,सामानों के अभाव में यह केंद्र भी बन्द पड़ा हुआ है यहां भी कई प्रकार के ग्रामीण उद्योगों का संचालन किया जाता रहा लेकिन आज वीरानी छई हुई है।

वीरान गौतम के चौधे अब फल देने लगे हैं...

जिले के गौतम तो अब वीरान हो गए कभी लेमन और अन्य ग्रास से आच्छादित गौतम की शोभा देखते बनती थी,बर्मी कम्पोस्ट बनना बन्द हुआ तो बनाई गई टैंकी और अन्य संसाधन धीरे-धीरे खराब होने लगे और भवन के भी छप्पर की स्थानों पर उड़ गए हैं तो कहीं भवन जर्जर हो गया है। कुल मिला कर यह कहा जाए कि गौतम अब पूरी तरह वीरान हो गए तो गलत नहीं होगा, लेकिन गौतम में जो फल दार पेड़ लगाए गए थे वो अब फल देने लगे हैं गौतमों में लगे अमरूद के पेड़ इन दिनों फलों से लदे हुए हैं और बच्चे अमरूद का आनंद जरूर ले रहे हैं।

एमसीबी के भरतपुर में भी बन्द सभी प्रोजेक्ट

एमसीबी जिले के भरतपुर जनकपुर मुख्यालय में भी रिपा के तहत कई प्रोजेक्ट लगाए गए और काम भी शुरू हुआ समूह की महिलाओं ने अच्छी खासी आय अर्जित कर आत्मनिर्भर बनने की दिशा में कदम भी बढ़ाया लेकिन सरकार बदलने के बाद यहां भी प्रोजेक्ट बन्द हो गए और मशीनें धूल खा रही हैं, जनकपुर क्षेत्र के अधिकांश रिपा केंद्रों का यही हाल है साथ ही गौतमों में भी वीरानी छई हुई है, भवन जर्जर हो रहे हैं गेट टूट चुके हैं कोई देखने वाला नहीं है।

इको फ्रेंडली गोबर पेंट का काम भी बन्द

गोबर से इकोफ्रेंडली पेंट बनाने की शुरुआत छत्तीसगढ़ में भी हुई,प्रदेश का पहला इकोफ्रेंडली पेंट बनाने की युनिट राजधानी रायपुर से लगे एक गौतम में लगाई गई। जहां गाय के गोबर से पेंट निर्माण होना शुरू हुआ, इसके बाद कई जिलों में काम शुरू हुआ रिपा प्रोजेक्ट के तहत अविभाजित कोरिया जिले में भी इसकी शुरुवात हुई लेकिन अब स्थिति ये है कि पेंट बनाने का सिस्टम धूल खा रहा है,पेंट मशीनें हलात ऐसे है कि पेंट बनना लगभग बंद हो गया है। बता दें कि सरकार के द्वारा ग्रामीणों के आय बढ़ाने के उद्देश्य से गाय के गोबर से प्राकृतिक पेंट बनाने के लिए प्लांट खोला गया,जहां गोबर से इकोफ्रेंडली पेंट का निर्माण किया जाता रहा,सरकार का लक्ष्य था कि गोबर से पेंट बनाने की योजना से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी,साथ ही गोबर से तैयार होने वाला पेंट जैविक और सस्ता होगा,साथ ही पर्यावरण को नुकसान भी नहीं पहुंचाएगा।

सरकार बदलने से रिपा के कार्य हुए बन्द

सोनहत की पूर्व जिला पंचायत सदस्य ज्योत्सना राजवाड़े ने कहा की रिपा पूर्व सरकार की महत्वकांक्षी योजना थी,जिससे ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को जोड़ा गया था,महिला समूहों को काम भी मिला कई समूहों ने बहुत अच्छा काम भी किया,ईट निर्माण से लेकर राइस मिलिंग,टेराकोटा के कार्यों से महिलाएं आय निर्भर बनने लगी थी लेकिन प्रदेश में जब से सरकार बदली योजना को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया,अब सुन सान पड़े रिपा केंद्रों में मशीनों और रिपा केंद्रों को अराजक तल नुकसान पहुंचा रहे हैं।

सरभोका के प्राथमिक शाला में नई सहायक शिक्षिका की नियुक्ति से बच्चों में खुशियां

-संवाददाता-
कोरबा,12 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देश पर शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए स्कूलों में युक्तियुक्तकरण के तहत अतिरिक्त शिक्षकों की नियुक्ति की जा रही है। इसी प्रक्रिया के अंतर्गत कोरबा जिले के पोड़ी-उपरोड़ा ब्लॉक के दूरस्थ ग्राम सरभोका स्थित बसाहट मोहल्ले में संचालित प्राथमिक शाला में सहायक शिक्षिका श्रीमती अंजुलता तंवर ने 16 जून 2025 को कार्यभार ग्रहण किया। श्रीमती तंवर के स्कूल में जुड़ने से बच्चों और ग्रामीणों में विशेष उत्साह देखा गया। यह विद्यालय वर्ष 1982-83 से संचालित है और वर्तमान में इसमें 45 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। अधिकतर विद्यार्थी हसदेव बांगो बांध डुबान क्षेत्र के भू-विस्थापित गरीब परिवारों से आते हैं। पिछले दो वर्षों से यह विद्यालय एकलशिक्षकीय था, जिससे न केवल विद्यार्थियों बल्कि प्रधानपाठक श्री त्रिभुज सिंह तंवर को भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। नई शिक्षिका की नियुक्ति से अब शिक्षण व्यवस्था में सुधार आया है और सभी ने राहत की सांस ली है। विद्यालय की छात्राएं कृषिका,



एंजल, रोहित (कक्षा पाँचवीं), आलिया, अविनाश (कक्षा चौथी) तथा बबीता (कक्षा तीसरी) ने बताया कि नई मैडम हमें बहुत अच्छे से पढ़ाती हैं। स्कूल में समय पर नाश्ता और दोपहर का भोजन भी मिलता है। ग्रामवासियों ने भी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि अब उनके गाँव के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त होगी और विद्यालय का वातावरण पहले से अधिक सक्रिय हो गया है।

दीपका खदान में घटित हादसे में घायल मजदूर ने खोया दोनों पैर



-संवाददाता-
कोरबा,12 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।

पश्चिम एसईसीएल दीपका क्षेत्र में बीते दिनों घटित दुर्घटना में घायल एक मजदूर के दोनों पैर काटने पड़े। जानकारी देते हुए बताया जा रहा है की उक्त हादसा ब्लास्टिंग में इस्तेमाल होने



वाले बूस्टर के फटने से हुआ। जिस तरह से मजदूर का पूरा शरीर झुलस गया था उसे देखते ही इस बात का अंदाजा लगाया जा रहा था कि मजदूर टायर फटने की चपेट में नहीं बल्कि इनके साथ कुछ और ही हादसा घटित हुआ है। जानकारी देते हुए बताया जा रहा है की उक्त हादसे के समय ट्रक का टायर उस बूस्टर के

कंपर चढ़ गया था जो विस्फोटक सामग्री के तौर पर उपयोग में लाया जाता है। परिणामस्वरूप हुआ धमाका इतना जबरदस्त कि आसपास की मिट्टी,पत्थर और कंकर तक हवा में उड़ गए। आरोप लगाते हुए कहना है कि यह घटना महज एक हादसा नहीं, बल्कि गंभीर सुरक्षा लापरवाही का नतीजा है। एसईसीएल

प्रबंधन और टेका कंपनियां द्वारा ब्लास्टिंग के दौरान सुरक्षा मानकों की अनदेखी पहले से की जा रही थी। कई बार यह बात सामने आई है कि ब्लास्टिंग जोन में न तो उचित बैरिकेडिंग की जाती है और न ही वहां कार्यरत कर्मचारियों को हेलमेट,गमबूट और सुरक्षा जैकेट जैसी बुनियादी सुरक्षा सामग्री उपलब्ध कराई जाती है।

विकासखण्ड मुख्यालय सोनहत के उरांव पारा में समस्याओं का अंबार

ग्रामीणों के पास नहीं है जमीन का पट्टा, कृषि योजनाओं का नहीं मिलता लाभ, नहीं बेच पाते हैं धान, सड़क जर्जर, बरसात में होती है समस्याएं

—राजन पाण्डेय—
सोनहत 18 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।
विकासखण्ड मुख्यालय सोनहत का वार्ड नम्बर 1 उरांव पारा में समस्याओं का अंबार है, आलम है कि जहां एक ओर मूल भूत सुविधाओं को लेकर ग्रामीण लंबे समय से मांग कर रहे हैं वहीं शासन प्रशासन इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है। ग्रामीणों ने जानकारी देते हुए बताया कि पिछली सरकार में विधायक से मांग किया गया था तो एक सामुदायिक भवन हाई मास्क लाइट सहित उन्होंने पक्की डामर वाली सड़क बनवाई लेकिन वह सड़क पुरे ग्राम तक नहीं पहुंच सकी जहां तक सड़क बनी वहीं तक तो ठीक है लेकिन बचा हुआ रस्ता बहुत खराब है, कच्चे रास्ते की मिट्टी वह जाने से रस्ता बेहद खराब हो गया है बारिश में आने जाने की समस्या उत्पन्न हो जाती है ग्रामीणों की मांग है कि पूरे ग्राम तक सड़क बने ताकि उनका आवागमन सुलभ हो सके।

कृषि योजनाओं का नहीं मिलता लाभ
ग्रामीणों ने बताया कि उनके पास जमीन का पट्टा नहीं है। पछले पर ग्रामीणों ने बताया कि इस ग्राम का काफी हिस्सा नक्स से छूट गया है जो न ही जंगल के नक्शे में है न ही राजस्व के ऐसी स्थिति में यहां के 30 परिवार परेशान हैं। धान की फसल लगाते हैं पर उसे बेच नहीं सकते यहां तक कि उन्हें किसान क्रेडिट कार्ड सहित सहकारी समिति से कम दाम में मिलने वाली खाद भी नसीब नहीं होती, कृषि विभाग सहित भूमि आधारित योजनाओं का लाभ नहीं मिलने से ग्रामीणों में मायूसी है और नाराजगी भी।

नहीं पहुंचते जनप्रतिनिधि
ग्रामीणों ने उपेक्षा का आरोप लगाते हुए कहा कि पिछली सरकार में विधायक 2 से 3 बार गांव में आये थे पर वर्तमान में कोई पैचायत प्रतिनिधि भी उनका हाल जानने नहीं पहुंचता है, आखिर वो अपनी व्यथा बताएं भी तो किससे...!

कोरिया जन सहयोग समिति के लोगों ने की मुलाकात
कोरिया जन सहयोग समिति के अध्यक्ष पुष्पेंद्र राजवाड़े मोहन यादव ने उरांव पारा पहुंच कर ग्रामीणों से उनका हाल जाना उन्होंने ग्रामीणों की समस्याओं को प्रशासन के समक्ष रखने का अश्वशन भी दिया साथ ही शीघ्र मुख्य कार्यपालन अधिकारी सोनहत से मिलकर मनरेगा के तहत रोजगार मुलक कार्य भी कराए जाने का अश्वशन दिया।

पंडो पारा की सड़क भी बारिश से हुई खराब
सोनहत मुख्यालय के ही पंडोपारा कि सड़क की भी बेहद खराब हो गई है डाऊनका बड़ा जलाशय से पंडोपारा तक कि सड़क में बड़े बड़े गड्ढे हो गए हैं वहीं पंडो बस्ती की दोनों मोहल्लों में सड़क की स्थिति खराब हो गई है, क्षेत्र के ग्रामीण व पूर्व सरपंच पवन साय ने बताया कि पिछली सरकार में पंडो पारा मार्ग पर दोनों साइड से पुल



तहसील से हाउसिंग बोर्ड मार्ग भी बढहाल
सोनहत क्षेत्र के तहसील पारा निवासियों ने बताया कि सोनहत तहसील से हाउसिंग बोर्ड पहुंच मार्ग भी बढहाल है बरसात के कारण यहां भी बड़े बड़े गड्ढे हो गए हैं उक्त मार्ग में सीसी सड़क की नितात आवश्यकता है।

का निर्माण हो गया है लेकिन बारिश में कीचड़ होने से तिराहा से पंडो बस्ती तक पक्की सड़क की मांग परेशानी हो जाती है। पवन साय ने मुख्य सड़क नहर प्रशासन से किया है।



सांवारांवा प्राथमिक शाला की दास्तान फिर से सोशल मीडिया पर वायरल भाजपाईयों की शिकायत पर नहीं हो कार्यवाही



—संवाददाता—
सूरजपुर, 18 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

विकासखंड भैयाथान के ग्राम पंचायत सांवारांवा प्राथमिक शाला एक बार फिर से सुर्खियों में है। प्रधानपाठक के 3 वर्षों से विद्यालय से नदारद होने के बाद उन पर कोई कार्यवाही नहीं होने से क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, भाजपाईयों ने उनके खिलाफ सोशल मीडिया पर मोर्चा खोल दिया है। वहीं मामले में हो रहे मुखर विरोध के बाद शिक्षा विभाग की भी कलई खुल गई है।

इस संबंध में बैजनाथपुर की जनपद पंचायत सदस्य प्रतिनिधि नेहा सिंह, भाजपाई बलिराम यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि ग्राम पंचायत सांवारांवा के प्राथमिक शाला में पदस्थ प्रधानपाठक पिछले 3 वर्षों से विद्यालय नहीं आ रहे थे। 5 साल से विद्यालय भवन की

रंगाई पुताई नहीं हुई है। जिसकी शिकायत शिक्षा विभाग से करने पर शिक्षक पर कार्यवाही करने की बजाए जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों की मंशा की उपेक्षा करते हुए पुनः प्रधानपाठक को उनके मूल पद पर पदस्थ कर दिया गया है। जिसको लेकर सांवारांवा क्षेत्र के ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों में घोर आक्रोश व्याप्त है और इस आशय का वीडियो भी सोशल मीडिया जैसे फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप पर वायरल हो रहा है। जिससे शिक्षा विभाग और जिला प्रशासन की जमकर किरकिरी भी हो रही है।

प्रधानपाठक हैं संघ के सदस्य : सांवारांवा के प्राथमिक शाला में पदस्थ प्रधानपाठक आरनएसएस के सदस्य हैं। उनको संघ के पथ संचलन कार्यक्रम में अक्सर देखा जाता रहा है। लेकिन प्राथमिक शाला में अध्यापन

कराते कम देखा जाता है। चूंकि प्रदेश में भाजपा की सरकार है तो संघ के पदाधिकारी के विरुद्ध कार्यवाही करने में शिक्षा विभाग और जिला प्रशासन के हाथ पांव फूल जा रहे होंगे और प्रधानपाठक को बचाने के लिए हर संभव प्रयास भी किया जाता रहा होगा।

आरोप गलत : इस संबंध में भैयाथान खंड शिक्षा अधिकारी फुलसाय मरावी ने जानकारी देते हुए बताया कि उक्त शाला के प्रधान पाठक खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय में लगभग साल भर से कम समय से अटैच थे जिन्हें शिकायत के बाद उनके मूल पद पर भेज दिया गया है। उक्त शाला भवन 2 साल से जर्जर है जिसकी रंगाई पुताई संभव नहीं है। अतिरिक्त भवन में वर्तमान में शाला का संचालन किया जा रहा है। ग्रामीणों का आरोप पूर्णतः निराधार है।

जोगिया में जल जीवन मिशन का प्लांट खराब महीने भर से पानी मिलना हुआ बंद पानी नहीं मिलने से ग्रामीणों में नाराजगी, सुधार कार्य कराने की मांग

—संवाददाता—
सोनहत 18 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

विकासखण्ड सोनहत के ग्राम जोगिया में जल जीवन मिशन के तहत स्थापित सोलर वाटर प्लांट बन्द होने से ग्राम वासियों में नाराजगी का आलम है। वही पानी नहीं मिलने से ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने जानकारी देते हुए बताया कि आकाशीय बिजली गिरने और जोर के बादल गरजने से प्लांट में कोई तकनीकी खराबी आ गई है जिसके बाद से प्लांट

कार्य नहीं कर रहा है और पानी की सप्लाई बंद है। ग्रामीणों ने शासन प्रशासन से शीघ्र सुधार कार्य कराए जाने की मांग किया है ताकि ग्रामीणों की पेय जल व्यवस्था पूर्व की भांति संचालित हो सके।

हैंड पम्प का लाल पानी पीने मजबूर— ग्रामीणों ने बताया कि प्लांट खराब होने के बाद से हैंड पम्प और छोटी आदि का पानी पी कर काम चला रहे हैं। लेकिन आयरन युक्त पानी से ग्रामीणों की सेहत पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है शीघ्र प्लांट में सुधार कार्य नहीं हुआ तो ग्रामीणों की सेहत बिगड़ सकती है।



क्रिकेट के सुपर पावर ऑस्ट्रेलिया को चैलेंज करने पहुंचा भारत,पहला वनडे आज

रोहित-कोहली 7 महीने बाद इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी करेंगे...

पर्थ,18 अक्टूबर 2025। 26 साल के शुभमन गिल की कप्तानी वाली टीम इंडिया क्रिकेट के सुपर पावर कहे जाने वाले ऑस्ट्रेलिया को चैलेंज करने उसी के घर पहुंची है। कल (19 अक्टूबर को) को सुबह 9 बजे से दोनों के बीच पहला वनडे खेला जाना है। टास्क बड़ा है-ऑस्ट्रेलिया को हराना, वो भी उसी के घर में। उस ऑस्ट्रेलिया को जिसके शब्दकोश में हरना शब्द नहीं है। ऐसा नहीं है टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया को कभी हरा नहीं सकी है। टीम ने पिछले ही मैच में कंगारुओं 4 विकेट से हराया था। लेकिन,इस बार का चैलेंज अलग होगा। कप्तान नया है, जो पहली बार इस फॉर्मेट में भारतीय टीम की कप्तान संभाल रहा है। इससे पहले रोहित शर्मा,विराट कोहली और एमएस धोनी जैसे दिग्गजों ने टीम की कप्तान संभाली है। गिल पर उसी विरासत को आगे बढ़ाने का दबाव होगा।

क्या खास...

- टीम इंडिया चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद अपना पहला वनडे मैच खेल रही है। टीम ने 9 मार्च 2025 को दुबई में खेले गए फाइनल मुकाबले में न्यूजीलैंड को 4 विकेट से हराया था।
- रोहित-कोहली 7 महीने के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी कर रहे हैं। दोनों ने चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में आखिरी इंटरनेशनल मैच खेला था।
- ऑस्ट्रेलियन कैप्टन पैट कमिंस चोटिल हैं। उनकी गैरमौजूदगी में मिचेल मार्श टीम को लीड करेंगे। वे भारत के खिलाफ पहली बार कप्तानी कर रहे हैं।

क्या रोहित-कोहली के लिए आखिरी मौका?

इस सवाल का जवाब चीफ सिलेक्टर अजित अगरकर ने दिया। उन्होंने कहा- रोहित और कोहली के प्रदर्शन का मूल्यांकन हर मैच के बाद नहीं,बल्कि हर सीरीज के बाद होगा। अगरकर ने आगे कहा- अगर वे (रोहित-कोहली) ऑस्ट्रेलिया में रन नहीं बना पाते तो इसका मतलब यह नहीं



होगा कि उन्हें टीम से बाहर कर दिया जाएगा और अगर वे तीन शतक भी बना लें,तो इसका अर्थ यह नहीं कि उन्हें 2027 वर्ल्ड कप के लिए अभी से चयनित मान लिया जाए। विराट कोहली वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में श्रीलंका के कुमार संगकारा को पीछे छोड़ सकते हैं। कोहली के अभी 14181 रन हैं। जबकि संगकारा 14234 रन के साथ दूसरे स्थान पर हैं। कोहली 53 रन बनाते ही इस लिस्ट में नंबर-2 पर आ जाएंगे। पहले स्थान पर 18426 रन के साथ सचिन तेंदुलकर मौजूद हैं। रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसी के घर में 990 रन बना लिए हैं। वे 10 रन बनाने के साथ 1000 रन पूरे कर लेंगे। वे ऐसा करने वाले पहले भारतीय बैटर बन जाएंगे। इस लिस्ट में विराट कोहली (802 रन) और सचिन तेंदुलकर (740 रन) तीसरे नंबर पर हैं। ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड वनडे क्रिकेट में 3000 रन पूरे कर सकते हैं। वे इस मुकाम से 58



रन दूर हैं। हेड ने अब तक खेले 76 मैच में 7 शतक 17 अर्धशतकों के सहारे 2942 रन बना चुके हैं।

हेड-टू-हेड

ऑस्ट्रेलिया ने भारत से 55% मैच जीते : हेड-टू-हेड में ऑस्ट्रेलिया का पलड़ा भारी रहा है। टीम ने भारत के खिलाफ अब तक 152 वनडे मैच खेले हैं। इनमें से 84 में कंगारुओं ने जीत दर्ज की है,जोकि 55% है। भारत ने 58 मैच जीते हैं। 10 मैच बेनतीजा रहे हैं। घरेलू पिचों पर ऑस्ट्रेलिया का डोमिनंस रेट बढ़ जाता है, जोकि आंकड़ों में साफ झलकता है। भारत ने ऑस्ट्रेलिया में 54 मुकाबले खेले हैं। भारतीय टीम इसमें से सिर्फ 14 मैकों पर ही जीत सकी है। 38 मैचों में ऑस्ट्रेलिया ने अपने घर पर भारत को हराया है। 2 मैच बेनतीजा रहे हैं।



वेदर एंड पिच रिपोर्ट

मौसम: पर्थ में 60% बारिश की आशंका मैच के दिन पर्थ में दिन के समय 60 प्रतिशत और रात के वक्त 40 प्रतिशत बारिश के आसार हैं। ऑस्ट्रेलिया में यह सर्दियां जाने का समय है और इस मौसम में बारिश होती है। ऐसे में मैच में बारिश खलल डाल सकती है। वाका की पिच में उछाल ज्यादा होगा पर्थ स्टेडियम में वाका की पिच लाकर लगाई गई है। वाका की पिच दुनिया की सबसे तेज और उछाल भरी पिच के रूप में जाना जाता है। यानी कि तेज गेंदबाजों को मदद मिलना लाजिमी है। ऐसे में मिचेल स्टार्क और जोश हेजलवुड की अगुवाई वाला ऑस्ट्रेलियन पेस अटैक भारतीय बैटर्स की जमकर परीक्षा लेगा।

2 पॉइंट्स में पिच का हाल...

- भारत ने पर्थ स्टेडियम पर एक भी वनडे मैच नहीं खेला है। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 3 वनडे खेले हैं, हालांकि,कंगारुओं को यहां अब तक पहली जीत का इंतजार है।
- 3 में से 2 मैचों में चेज करने वाली टीम को जीत मिली है। जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ता है तो पिच का पेस और उछाल कम होता जाता है। टॉस जीतने वाला कप्तान पहले गेंदबाजी चुन सकता है।

4. पॉसिबल प्लेइंग-11

भारत : शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), अश्वर पटेल, नीतीश कुमार रेड्?डी, वांशिंगटन सुंदर/कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद सिराज/अर्शदीप सिंह।
ऑस्ट्रेलिया : मिचेल मार्श (कप्तान), ट्रेविस हेड, मैथ्यू शॉर्ट, मैट रेनशॉ, जोश फिलिपी (विकेटकीपर), मिचेल ओवेन, कूपर कॉनोली, मिचेल स्टार्क, नाथन एलिस, मैथ्यू कुहेनम, जोश हेजलवुड।

न्यूजीलैंड-इंग्लैंड पहला टी-20 बेनतीजा रहा

क्राइस्टचर्च में बारिश की वजह से एक ही पारी हो सकी, सैम करन ने 49 रन बनाए

क्राइस्टचर्च,18 अक्टूबर 2025। क्राइस्टचर्च में न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के बीच पहला टी-20 बेनतीजा रहा। बारिश की वजह से शनिवार को इंग्लिश टीम ही पूरे 20 ओवर खेल सकी। न्यूजीलैंड की बैटिंग नहीं आई। टॉस जीतकर कीवी कप्तान मिचेल सैंटनर ने बॉलिंग का फैसला किया। ऑलराउंडर सैम करन के नाबाद 49 रन की बदौलत इंग्लैंड ने 6 विकेट खोकर 153 रन बनाए। यह टी-20 में न्यूजीलैंड के खिलाफ इंग्लैंड का लोएस्ट फर्सट इनिंग टोटल भी रहा।

इंग्लैंड ने 29 रन पर 2 विकेट गंवाए

पहले बल्लेबाजी कर रही इंग्लैंड की शुरुआत खराब रही। टीम ने 4.1 ओवर में 29 रन बनाने में 2 विकेट गंवा दिए। फिल सॉल्ट को 3 रन पर जैकब डर्फी ने मार्क चैम्पमैन के हाथों कैच कर दिया। फर्स्ट डाउन बैटिंग करने आए



सैम करन ने टी-20 करियर का द्रुतत सबसे बड़ा स्कोर बनाया

ऑलराउंडर सैम करन जब बैटिंग करने आए तब इंग्लिश टीम 81 रन पर 5 विकेट गंवा चुकी थी। करन ने एक छोर से पारी को संभाला और 35 बॉल पर नाबाद 49 रन बनाए। 3 चौके और 2 सिक्स भी लगाए। यह उनके करियर का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर रहा। इससे पहले 2023 में वेस्टइंडीज के खिलाफ करन ने 50 रन बनाए थे। आखिर में जॉर्डन कॉक्स ने 18 बॉल पर 16 रन बनाए। न्यूजीलैंड से सभी बॉलर्स को एक-एक विकेट मिला।

जैकब बेथेल 15 रन बनाकर पवेलियन लौटे। उनका कैच मैट हेनरी ने खुद अपनी ही बॉलिंग में लिया। विकेटकीपर जोस बटलर ने 25 बॉल पर 29 रन बनाए। उन्हें माइकल ब्रेसवेल ने आउट किया। कप्तान हैरी ब्रूक को 20 रन पर जिमी नीशम ने बोल्ट कर दिया।

रोहित-विराट से मेरे रिश्ते पहले जैसे : शुभमन गिल

जरूरत पड़ने पर दोनों मेरे साथ खड़े होंगे,मैंने उनकी कप्तानी में काफी कुछ सीखा

पर्थ,18 अक्टूबर 2025। भारत के नए वनडे कप्तान शुभमन गिल ने कहा है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली से उनके रिश्ते पहले की तरह मजबूत हैं। मैच के दौरान परेशानों में होने पर वे इन दोनों दिग्गजों से सलाह लेने में हिचकिचाएंगे नहीं। 26 साल के गिल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के पहले मैच से पहले पत्रकारों से बात कर रहे थे। यह मैच 19 अक्टूबर को पर्थ स्टेडियम पर खेला जाएगा। एक सवाल के जवाब में गिल ने कहा- बाहर भले ही कुछ भी बातें चल रही हों, लेकिन रोहित से मेरे रिश्ते नहीं बदले हैं। जब भी मुझे मदद की जरूरत होती है, वह हमेशा उपलब्ध होते हैं। चाहे वे पिच के बारे में पता करना हो या कुछ भी। पिछले महीने 19 सितंबर को रोहित की जगह गिल को भारत का नया वनडे कप्तान बनाया गया था। उसके बाद से रोहित और कोहली के भविष्य को लेकर अटकलें लगाई जा रही थीं।

गिल की खास बातें

- गिल ने कहा- मैं जब भी उनसे पूछता हूं कि आपको क्या लगता है। अगर आप



कप्तान होते तो क्या करते। वे सलाह देने से हिचकिचाते नहीं हैं। मैंने विराट भाई और रोहित भाई से टीम को आगे ले जाने के बारे में काफी बात की है। वह किस तरह से टीम को आगे ले जाना चाहते थे और इस अनुभव और सबक से हमें काफी मदद मिलेगी।

शुभमन ने कहा...ऐसी टीम की कप्तानी करना मेरे लिए गर्व की बात है,जिससे से

महान खिलाड़ी हैं। इन दोनों (रोहित-कोहली) ने 20 साल तक भारतीय क्रिकेट की सेवा की है। मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा है। उनके अनुभव की कोई तुलना नहीं है। मैंने उनकी कप्तानी में खेलते हुए काफी कुछ सीखा है।

7 महीने बाद वापसी कर रहे रोहित-विराट

इसी साल मार्च में भारत को चैंपियंस ट्रॉफी जिताने के बाद रोहित शर्मा और विराट कोहली पहली बार इंटरनेशनल क्रिकेट खेलते नजर आएंगे। विराट ने पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अहम पारियां खेली थीं। वहीं कप्तान रोहित प्लेयर ऑफ द फाइनल रहे थे।

दोनों 7 महीने बाद वापसी कर रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया सीरीज के लिए टीम अनाउंस हुई तो रोहित को कप्तानी से हटा दिया गया। उनकी जगह 26 साल के शुभमन को नया कप्तान बनाया गया। उनकी कप्तानी में टीम पहली बार कोई वनडे सीरीज खेलेगी। वे इसी साल रोहित के टेस्ट रिटायरमेंट के बाद टेस्ट कप्तान भी बने थे।

टी20 विश्व कप से पहले भारतीय महिला नेत्रहीन क्रिकेट टीम ने श्रीलंकाई प्रधानमन्त्री से की मुलाकात

नई दिल्ली,18 अक्टूबर 2025। भारतीय महिला नेत्रहीन क्रिकेट टीम ने शनिवार को क्रिकेट एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड इन इंडिया (सीएबीआई) और विश्व कप आयोजन समिति के प्रतिनिधियों के साथ श्रीलंका की प्रधानमंत्री हरिनी अमरसूरिया से मुलाकात की। यह मुलाकात राजधानी दिल्ली में हुई। श्रीलंका की प्रधानमंत्री हरिनी भारत के तीन दिवसीय दौरे भारत आई हुई हैं। यह बैठक आगामी पहले महिला नेत्रहीन टी20 विश्व कप 2025 से पहले विशेष महत्व रखती है, जिसे भारत और श्रीलंका संयुक्त रूप से 11 से 23 नवंबर तक आयोजित करेंगे। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल में सीएबीआई के चेयरमैन और समर्थनम ट्रस्ट के संस्थापक डॉ. महंतेश जी. किंवदसन्नावर,विश्व कप आयोजन समिति की चेयरपर्सन मीना अश्वी लेखी और सीएबीआई के महासचिव शैलेंद्र यादव शामिल थे। श्रीलंका की भारत में उच्चायुक्त महेशिनी कोलोन भी मौजूद रहें। श्रीलंका की प्रधानमंत्री हरिनी अमरसूरिया ने इस अवसर पर कहा, हमें बहुत खुशी है कि श्रीलंका इस ऐतिहासिक महिला नेत्रहीन टी20 विश्व कप की सह-



मेजबानी कर रहा है। हम शानदार मुकाबलों की उम्मीद कर रहे हैं और सभी टीमों को शुभकामनाएं देते हैं। नेत्रहीन क्रिकेट एक प्रेरणादायक पहल है और हम इस प्रयास का समर्थन करते हैं। सीएबीआई चेयरमैन डॉ. महंतेश जी. किंवदसन्नावर ने कहा, श्रीलंका की प्रधानमंत्री से मुलाकात हमारे लिए गर्व का क्षण है। भारत और श्रीलंका का यह संयुक्त प्रयास समावेशिता को बढ़ावा देगा

और नेत्रहीन महिला खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बनेगा।

विश्व कप कार्यक्रम

महिला नेत्रहीन टी20 विश्व कप 2025 में भारत,श्रीलंका,ऑस्ट्रेलिया,पाकिस्तान,नेपाल और अमेरिका की टीमों हिस्सा लेंगी। मुकाबले नई दिल्ली,बेंगलुरु और कोलंबो में खेले जाएंगे। सभी टीमों नवंबर के दूसरे

सप्ताह में दिल्ली पहुंचेंगी। पाकिस्तान की टीम कोलंबो में अपने मैच खेलेगी। टूर्नामेंट में 15 लीग मैच,दो सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबला शामिल है। यह विश्व कप सीएबीआई द्वारा आयोजित किया जा रहा है,जो समर्थनम ट्रस्ट फॉर द डिसेबलड का क्रिकेटिंग अंग है। इसका उद्देश्य दिव्यांग महिला खिलाड़ियों के लिए समान अवसर और मंच प्रदान करना है।

भारतीय टीम...

- बी 1 श्रेणी :** सिमु दास (दिल्ली), पी. करुणा कुमारी (ओंध्र प्रदेश),अनु कुमारी (बिहार),जमुना रानी तुड़ु (ओडिशा),काव्या वो (कर्नाटक)।
- बी2 श्रेणी :** अनेखा देवी (दिल्ली), बसंती हंसदाह (ओडिशा), सिमरनजीत कौर (राजस्थान),सुनीता सराटे , परबती मारंडी (ओडिशा)।
- बी3 श्रेणी :** दीपिका टी.सी. (कर्नाटक- कप्तान),फूला सोरेन (ओडिशा),गंगा एस. कदम (महाराष्ट्र- उप कप्तान),काव्या एन.आर. (कर्नाटक), सुषमा पटेल (मध्य प्रदेश), दुर्गा येवले (मध्य प्रदेश)।

अफगानिस्तान के हटने के बाद पाकिस्तान ट्राई सीरीज के लिए खोज रहा रिप्लेसमेंट

नई दिल्ली,18 अक्टूबर 2025। पाकिस्तान को तब तक से अफगानिस्तान में एयर स्ट्राइक की गई, जिसमें तीन अफगान खिलाड़ियों की मौत हो गई। ऐसे में पाकिस्तान की मेजबानी में होने वाले ट्राई नेशन टी-20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज से अफगानिस्तान ने हटने का निर्णय लिया है। इसकी पुष्टि अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने की है। दूसरी तरफ,अफगानिस्तान के हटने के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने ट्राई सीरीज को लेकर अपडेट दिया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने कहा है कि अफगानिस्तान के हटने के बावजूद लाहौर में 19 से 29 नवंबर तक ट्राई नेशन टी-20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज खेली जाएगी। पीसीबी अफगानिस्तान के रिप्लेसमेंट के लिए अन्य क्रिकेट बोर्ड से बातचीत कर रहा है। जैसे इसकी कन्फर्मेशन हो जाएगी, वैसे ही इस संबंध में घोषणा की जाएगी। इस सीरीज में श्रीलंका तीसरी टीम है। यहां ध्यान रखने



वाली बात यह है कि ट्राई नेशन सीरीज से पहले 11 से 15 नवंबर तक पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच तीन टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की द्विपक्षीय सीरीज खेली जाएगी। इन सभी मैचों की मेजबानी भी पाकिस्तान करेगा।

किन टीमों पर है पीसीबी की नजर : ट्राई नेशन टी-20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के लिए पाकिस्तान की नजर एसोसिएट मेंबर टीम जैसे नेपाल और यूएई पर टिकी हुई है। हालांकि अफगानिस्तान के रिप्लेसमेंट के लिए पीसीबी की प्राथमिकता टेस्ट खेलने वाले देश को ट्राई नेशन टी-

20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के लिए सुनिश्चित करना है।
एसीबी ने पाकिस्तान के एयर स्ट्राइक की निंदा की : पाकिस्तान,अफगानिस्तान और श्रीलंका के बीच ट्राई नेशन सीरीज खेली जानी थी।

अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव के चलते एसीबी ने ट्राई नेशन टी-20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज से हटने का फैसला किया है। पाकिस्तान ने एक बार फिर अफगानिस्तान में एयर स्ट्राइक की,जिसमें कलब लेवल के तीन क्रिकेटर्स की मौत हो गई।

ज्योति सुरेखा वेन्मम ने वर्ल्ड कप फाइनल में ब्रॉन्ज जीता, पहली भारतीय महिला कंपाउंड तीरंदाज बनीं

नई दिल्ली,18 अक्टूबर 2025। भारतीय तीरंदाज ज्योति सुरेखा वेन्मम ने शनिवार वर्ल्ड कप फाइनल में ब्रॉन्ज मेडल जीता। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाली पहली भारतीय महिला कंपाउंड तीरंदाज बन गई हैं। नानाजिंग में आयोजित इस टूर्नामेंट में ज्योति ने ब्रिटेन की वर्ल्ड नंबर 2 तीरंदाज एला गिब्सन को 150-145 से हराकर ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया।
वर्ल्ड कप फाइनल में पहली बार मेडल जीता : ज्योति ने एला गिब्सन के खिलाफ पांच राउंड में लगातार 15 परफेक्ट 10 स्कोर करके 150-145 से जीत हासिल की। यह ज्योति का वर्ल्ड कप फाइनल में पहला मेडल है। इससे पहले

वह 2022 (त्लाक्सकाला) और 2023 (हरमोसिलो) में वर्ल्ड कप फाइनल में हिस्सा ले चुकी थीं, लेकिन दोनों बार पहले दौर में बाहर हो गई थीं।

क्वार्टर फाइनल में अमेरिकी तीरंदाज को हराया : 29 साल की ज्योति एशियन गेम्स चैंपियन है। क्वार्टर फाइनल में उन्होंने अमेरिका की एलेक्सिस रुइज को 143-140 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

सेमीफाइनल में वर्ल्ड नंबर-1 से हार का सामना करना पड़ा : सेमीफाइनल में उनका मुकाबला वर्ल्ड नंबर 1 मैक्सिको की एंजुइया बेसेरा से हुआ,जहां वह 143-145 से मामूली अंतर से

हार गई। इस मुकाबले में ज्योति ने तीसरे राउंड तक 87-86 से बढ़त बनाई थी,लेकिन बेसेरा ने चौथे राउंड में तीन परफेक्ट 10 स्कोर करके 116-115 से बढ़त ले ली और अंतिम राउंड में 29-28 से जीत हासिल कर फाइनल में जगह बनाई।

मधुरा धर्मांगकर पहले ही राउंड में बाहर हो गई : भारत की एक अन्य महिला कंपाउंड तीरंदाज मधुरा धर्मांगकर भी इस टूर्नामेंट में थीं, लेकिन वह पहले दौर में मैक्सिको की मरियाना बर्नाल से 142-145 से हारकर बाहर हो गईं। मैस कंपाउंड वर्ग में भारत के रिषभ यादव एकमात्र तीरंदाज हैं, जो आज दक्षिण कोरिया के किम जीओ के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगे।

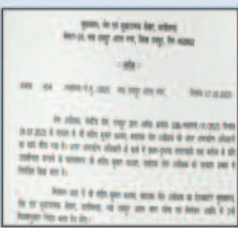


हाईकोर्ट ने सुनाया फैसला चैतन्य बघेल की याचिका को हाईकोर्ट ने खारिज किया

बिलासपुर, 18 अक्टूबर 2025। ईडी की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली चैतन्य बघेल की याचिका को हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया है। जस्टिस अरविंद कुमार वर्मा की सिंगल बेंच में यह निर्णय लिया गया है। दोनों पक्षों को सुनने के बाद 24 सितंबर को फैसला सुरक्षित रखा गया था। याचिका में ईडी की कार्यवाही को असंवैधानिक और नियम विरुद्ध बताया गया था। ईडी ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को उनके जन्मदिन पर 18 जुलाई को भिलाई निवास से धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 के तहत गिरफ्तार किया था। शराब घोटाले की जांच ईडी ने भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 के तहत एसीबी/ईओडब्ल्यू रायपुर द्वारा दर्ज एफआईआर के आधार पर शुरू की थी। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि इस घोटाले के कारण प्रदेश के खजाने को भारी नुकसान हुआ और करीब 2,500 करोड़ रुपये की अवैध कमाई (पीओसी) घोटाले से जुड़े लाभार्थियों की जेब में पहुंचाई गई। ईडी की जांच में पता चला है कि चैतन्य बघेल को शराब घोटाले के 16.70 करोड़ रुपये मिले हैं। उन्होंने इस पैसे का इस्तेमाल अपनी रियल एस्टेट फर्मों में किया है। इस पैसे का उपयोग उनके प्रोजेक्ट के ठेकेदार को नकद भुगतान, नकदी के खिलाफ बैंक प्रविष्टियों आदि के माध्यम से किया गया था। उन्होंने त्रिलोक सिंह हिल्लों के साथ भी मिलीभगत की और अपनी कंपनियों का उपयोग एक योजना तैयार करने के लिए किया, जिसके अनुसार उन्होंने त्रिलोक सिंह हिल्लों के कर्मचारियों के नाम पर अपने विट्ठलपुरम प्रोजेक्ट में प्लेटों की खरीद को आड़ में अप्रत्यक्ष रूप से 5 करोड़ रुपये प्राप्त किए। बैंकिंग ट्रेल है जो इंगित करता है कि लेन-देन की प्रासंगिक अधिकांश के दौरान त्रिलोक सिंह हिल्लों ने अपने बैंक खातों में शराब सिंडिकेट से भुगतान प्राप्त किया।

रायपुर जेल का सहायक अधीक्षक सरयेंड

रायपुर, 18 अक्टूबर 2025। रायपुर जेल के सहायक अधीक्षक संदीप कुमार कश्यप को सरयेंड किया गया है। निलंबन आदेश में लिखा गया है, जेल अधीक्षक, केन्द्रीय जेल, रायपुर द्वारा आदेश क्रमांक 108/स्थानपा/31/2025 दिनांक 19.07.2025 के माध्यम से संदीप कुमार कश्यप, सहायक जेल अधीक्षक को अपर अट्कोण अधिकारी का कार्य सौंपा गया है। अपर अट्कोण अधिकारी के कार्य में प्रथम दृष्टया लापरवाही तथा कर्तव्य के प्रति उदासीनता बरतने के फलस्वरूप श्री संदीप कुमार कश्यप, सहायक जेल अधीक्षक को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाता है। निलंबन काल में संदीप कुमार कश्यप, सहायक जेल अधीक्षक का हेडक्वार्टर मुख्यालय, जेल एवं सुभारामक सेवाएं, छत्तीसगढ़, नवा रायपुर अटल नगर रेंगा एवं निलंबन अवधि में उन्हें नियमानुसार निर्वाह भत्ता देय होगा।



हाई कोर्ट ने पूछा... नर्सरी स्कूलों की मान्यता का 2013 का सर्कुलर क्यों लिया गया वापस, कोर्ट के कड़े रुख से शिक्षा विभाग के अफसर हुए परेशान

बिलासपुर, 18 अक्टूबर 2025। छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने प्रदेश में बिना मान्यता के संचालित हो रहे प्री-प्राइमरी और नर्सरी स्कूलों के मामले में नाराजगी जताते हुए कहा कि सरकार बताए कि आखिर उसने जनवरी 2013 के उस सर्कुलर को क्यों रद्द किया, जो इन स्कूलों पर कार्रवाई का आधार था। मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा और न्यायमूर्ति रविंद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने शुक्रवार को हुई सुनवाई में शिक्षा सचिव के राफथ पत्र को असंतोषजनक बताते हुए नया हलफनामा दाखिल करने के निर्देश दिए। अब मामले की अगली सुनवाई छह हफ्ते बाद होगी।

सरकार ने अपने शपथ-पत्र में क्या कहा : सरकार ने बताया कि 23 सितंबर 2025 को 2013 वाला सर्कुलर इस कारण रद्द किया गया क्योंकि वह बच्चों को निशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 (आर्टीई एक्ट) के अनुरूप नहीं था। आर्टीई एक्ट केवल कक्षा 1 से 8 और 6 से 14 वर्ष के बच्चों पर लागू होता है, जबकि पुराना सर्कुलर प्री-नर्सरी स्तर के बच्चों से संबंधित था। याचिकाकर्ता ने अदालत को बताया कि प्रदेश में 330 से अधिक स्कूल बिना किसी मान्यता के चल रहे हैं। अगस्त में हुई पिछली सुनवाई में हाई कोर्ट ने सवाल उठाया था कि जब 2013 के सर्कुलर के अनुसार नर्सरी स्कूलों को मान्यता लेना जरूरी था तो पिछले 12 वर्षों तक ये संस्थान बिना अनुमति कैसे चलते रहे? याचिकाकर्ता ने चेताया कि ऐसे स्कूलों से पढ़ाई पूरी करने वाले बच्चों के सामने क्लास-एक में प्रवेश के समय बड़ी दिक्कत खड़ी हो सकती है, क्योंकि उनके पास मान्य



प्रमाणपत्र नहीं होंगे। इससे उनकी पढ़ाई और भविष्य दोनों पर असर पड़ सकता है। सरकार ने कोर्ट को बताया कि बच्चों की सुरक्षा और शिक्षा की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए सात सदस्यीय समिति गठित की गई है। यह समिति नई शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप निजी प्ले स्कूलों के लिए नियामक दिशा-निर्देश तैयार कर रही है। कोर्ट ने पूछा कि नए नियम क्लास-एक में प्रवेश के समय बड़ी दिक्कत खड़ी हो सकती है, क्योंकि उनके पास मान्य

तो उन अफसरों पर करें कार्रवाई

हाई कोर्ट ने साफ कहा कि यदि सर्कुलर वापस लेने से बच्चों की पढ़ाई या भविष्य प्रभावित होता है, तो राज्य सरकार उन अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करे जिन्होंने नियमों के विपरीत स्कूल संचालित होने दिए। साथ ही कोर्ट ने सरकार से जल्द नई नीति बनाकर छः सप्ताह में रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। हाईकोर्ट में चल रहे इस मामले में याचिकाकर्ता कांग्रेस नेता विकास तिवारी हैं, जिन्होंने छत्तीसगढ़ के शिक्षा विभाग में चल रही भ्रष्टाचारी और निजी विद्यालयों की मनमानी को उजागर करते हुए तमाम दस्तावेज प्रस्तुत किए हैं। जिसके चलते निजी विद्यालयों की मान्यता को लेकर सवाल उठ रहे हैं, वहीं विभाग के जिन अफसरों की शह पर यह सब कुछ हो रहा था उन्हें अदालत में जवाब देते नहीं बन रहा है। बहरहाल सभी की नजर अदालत के फैसले पर टिकी हुई है। निजी स्कूलों को मोटी फीस देकर अपने बच्चों को पढ़ा रहे पालकों को कोर्ट से उम्मीदें बढ़ गई हैं।

नक्सलियों के सरेंडर पर क्रेडिट राजनीति शुरू

भूपेश बघेल ने की तारीफ, कांग्रेस नेताओं के अलग-अलग बयानों पर भाजपा का तीखा हमला



रायपुर, 18 अक्टूबर 2025। छत्तीसगढ़ में 17 अक्टूबर का दिन इतिहास में दर्ज हो गया है। 210 दुर्दंत नक्सलियों ने हथियार छोड़ मुख्यधारा में वापसी की। इस बीच अब नक्सलियों के सरेंडर को लेकर एक तरफ पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने जहां गृहमंत्री अमित शाह और राज्य सरकार की सराहना की। वहीं भाजपा ने कांग्रेस नेताओं के अलग अलग बयानों को लेकर तीखा हमला बोला। जाहिर है कि नक्सलियों के सरेंडर पर क्रेडिट राजनीति शुरू हो गई है। छत्तीसगढ़ में 17 अक्टूबर का दिन इतिहास में दर्ज हो गया है। 210 दुर्दंत नक्सलियों ने हथियार छोड़



मुख्यधारा में वापसी की। इस बीच अब नक्सलियों के सरेंडर को लेकर एक तरफ पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने जहां गृहमंत्री अमित शाह और राज्य सरकार की सराहना की। वहीं भाजपा ने कांग्रेस नेताओं के अलग अलग बयानों को लेकर तीखा हमला बोला। जाहिर है कि नक्सलियों के सरेंडर पर क्रेडिट राजनीति शुरू हो गई है। छत्तीसगढ़ में 17 अक्टूबर का दिन इतिहास में दर्ज हो गया है। 210 दुर्दंत नक्सलियों ने हथियार छोड़

सप्ताह में 250 से अधिक नक्सलियों ने मुख्यधारा में वापसी की है। 60 नक्सलियों ने जहां नक्सली लीडर सोनू दादा के नेतृत्व में गढ़चिरौली में हथियार छोड़ वापसी की। वहीं 210 नक्सलियों ने जगदलपुर में मुख्यधारा में वापसी की। इससे बस्तर में नई देश के अन्य नक्सल प्रभावित राज्यों में भी नक्सलवाद के खिलाफ वातावरण तैयार हुआ है। अब इस पूरे मुद्दे पर एक तरफ जहां क्रेडिट पॉलिटिक्स शुरू हो गई है, वहीं कश्मि इस मसले पर एक

बार फिर बंटी हुई नजर आ रही है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने नक्सलियों के आत्मसमर्पण को लेकर गृहमंत्री अमित शाह और राज्य सरकार की सराहना की। वहीं पीसीसी चीफ दीपक बैज लगातार नकली और असली नक्सली को लेकर सवाल पूछ रहे हैं। लगातार नक्सलियों का प्रोपेक्ल सावजनिक करने की मांग कर रहे हैं। उनकी मांग पर गृहमंत्री विजय शर्मा ने आत्मसमर्पित नक्सलियों के नाम, पद और अन्य डिटेल्स जारी कर दिए हैं।

रायपुर, 18 अक्टूबर 2025। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सरकार ने धनतेरस के दिन अपने मीडिया सलाहकार और गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष को मंत्री दर्जा देने का बड़ा फैसला लिया है। मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार पंकज झा को कैबिनेट मंत्री का दर्जा दिया गया है।

आयोगों की सक्रियता बढ़ाने निर्णय

सरकार के इस कदम को संगठन संतुलन और आयोगों की सक्रियता बढ़ाने से जोड़कर देखा जा रहा है। मुख्यमंत्री साय के करीबी माने जाने वाले पंकज झा लंबे समय से मीडिया प्रबंधन और रणनीतिक मामलों में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। वहीं, विश्वविजय तोमर युवा मोर्चा से लेकर संगठन स्तर पर लगातार सक्रिय रहे हैं।

अब मिलेगी ये सुविधा

कैबिनेट और राज्य मंत्री स्तर का दर्जा मिलने के बाद अब ये सभी अधिकारी-कार्यालय और आवासीय सुविधाएं, सुरक्षा, यात्रा और भत्तों का लाभ मंत्री स्तर के अनुसार प्राप्त करेंगे सूत्रों के अनुसार, आने वाले दिनों में अन्य आयोगों और निगमों में भी नियुक्तियों और दर्जा वितरण की प्रक्रिया आगे बढ़ सकती है। सरकार का मकसद विभिन्न आयोगों की कार्यप्रणाली को तेज करना और राज्य के विकास से जुड़े कार्यक्रमों में इन्हें सीधे जोड़ना है।

विभाग ने शनिवार को आदेश जारी किया। अपने पदों पर कार्य करते हुए मंत्री स्तर आदेश में कहा गया है कि ये सभी अपने-



पिता की संपत्ति पर बेटी को अधिकार नहीं हिंदू कानून से जुड़ी ये खबर पढ़ लें...

बिलासपुर, 18 अक्टूबर 2025। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने हिंदू उत्तराधिकार कानून से जुड़े एक मामले में स्पष्ट किया है कि यदि किसी व्यक्ति की मृत्यु हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 लागू होने से पहले हुई हो और उस समय पुत्र जीवित हो, तो पुत्री अपने पिता की संपत्ति पर अधिकार नहीं जता सकती। जस्टिस नरेंद्र कुमार व्यास की एकल पीठ ने कहा कि हिंदू मिताश्वरा कानून के अनुसार पुरुष की स्व-अर्जित संपत्ति पहले उसके पुरुष वंशज, यानी पुत्र को ही हस्तांतरित होती है। केवल तब ही पुत्री या अन्य उत्तराधिकारी संपत्ति में हिस्सा ले सकते हैं, जब पुत्र उपलब्ध न हो।

यह आदेश सरगुजा जिले के एक मामले की सुनवाई के बाद दिया गया, जहां निचली अदालत के आदेश को चुनौती दी गई थी। कोर्ट के सामने मुख्य सवाल यह था कि क्या 1956 से पहले संपत्ति बंटवारा होने की स्थिति में पुत्री को अधिकार मिल सकता है। सुनवाई के दौरान स्पष्ट हुआ कि अपीलकर्ता ने पिता की मृत्यु का वर्ष नहीं बताया था, जबकि प्रतिवादी ने अपने बयान में कहा



कि पिता की मृत्यु वर्ष 1950-51 में हो चुकी थी। इस तथ्य का अपीलकर्ता ने विरोध नहीं किया। एक गवाह ने भी पुष्टि की कि पिता की मृत्यु लगभग 60 वर्ष पहले हुई थी। हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के पुराने फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि हिंदू उत्तराधिकार विधि (संशोधन) अधिनियम, 1929 केवल पुरुष संतान की अनुपस्थिति में महिला उत्तराधिकारियों को शामिल करने के लिए बनाया गया था। इसलिए यदि पिता की मृत्यु के समय पुत्र जीवित था तो संपत्ति वही प्राप्त करेगा। अंत में कोर्ट ने अपीलकर्ता की याचिका को निराधार मानते हुए खारिज कर दिया और कहा कि यह फैसला केवल विधिक स्थिति को स्पष्ट करने के उद्देश्य से दिया गया है।

कोंडागांव में 1 लाख के इनामी नक्सली का सरेंडर

आईटीबीपी के 2 जवानों की हत्या में था शामिल

कोंडागांव, 18 अक्टूबर 2025। कोंडागांव जिले में एक लाख के इनामी नक्सली ने सरेंडर किया है। 18 अक्टूबर को पिलसाय कश्यप ने एसपी ऑफिस में आत्मसमर्पण किया। वह लंबे समय से नक्सली संगठन में सक्रिय था और कई बड़ी घटनाओं में शामिल रहा। सुरक्षा बलों के लगातार अभियानों, नक्सली संगठन के अंदर बढ़ते मतभेदों, शीर्ष नक्सली नेताओं के आत्मसमर्पण और शासन की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वसन नीति-2025 तथा नियद नल्ला नार योजना के प्रभावी प्रचार-प्रसार के कारण उसने समाज की मुख्यधारा में लौटने का फैसला किया। पिलसाय कश्यप का आपराधिक रिकार्ड भी है। वह 1-2 जून 2024 की रात ग्राम दुड़मी में रिलायंस जियो टावर मशीनरी में आगजनी और नक्सली बैनर लगाने की घटना में शामिल था। इसके अलावा, 20 अगस्त 2021 को कड़मेटा कैप से निकली



आईटीबीपी पार्टी पर फायरिंग कर दो जवानों की हत्या और हथियार लूटने के मामले में भी उसकी संलिप्तता थी।

छत्तीसगढ़ सरकार ने पिलसाय कश्यप (32 साल) पर 1 लाख का इनाम रखा था। वह जिले के कुदूर का रहने वाला था। पिलसाय पूर्वी बस्तर डिवीजन के अंतर्गत कृषि विभाग/आमदई एलओएस का सदस्य था।

सड़क, बिजली, पानी, मोबाइल नेटवर्क जैसी सुविधाओं के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में शासन की योजनाओं की पहुंच और सुरक्षा बलों की सकारात्मक सामुदायिक पुलिसिंग ने ग्रामीणों और नक्सलियों में विश्वास का माहौल बनाया है। इसी विश्वास के चलते पिलसाय कश्यप ने एसपी वाय अश्वय कुमार (भा.पु.से.) के समक्ष आत्मसमर्पण किया।

धनतेरस के दिन घर में मां-बेटी की मिली लाश डेढ़ साल पहले कार्टरेबल पति की सड़क हादसे में हुई थी मौत, 13 साल का बेटा हुआ अनाथ



बालोद, 18 अक्टूबर 2025। छत्तीसगढ़ के बालोद में शनिवार को उस वक्त सनसनी फैल गई जब घर पर मां-बेटी की लाश मिली। महिला का शव फांसी के फंदे पर लटका मिला और उसके ठीक बगल में उसकी बेटी की लाश संदिग्ध परिस्थितियों में पाई गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है। पूरा मामला कोतवाली थाना क्षेत्र के शिकारी पारा का है। जानकारी के मुताबिक, मुक्तिका के पति रविशंकर पंडे, जो दल्लोजराज थाने में कार्टरेबल

के पद पर पदस्थ थे, उनकी लगभग डेढ़ साल पहले सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी। शुक्रवार रात महिला के 13 साल का बेटा दूसरे कमरे में सोने के लिए गया हुआ था। आज सुबह जब वह उठा तो कमरे में दोनों की लाश देखी। मुक्तिका की पहचान निकिता पंडे की रूप में हुई है। घटना की सूचना के बाग पुलिस अधिकारी, तहसीलदार और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची है। फिलहाल पुलिस ने हर संभावित एंगल से मामले की जांच शुरू कर दी है।